गैरसैंण, सोमवार
20 अक्टूबर 2025
वर्षः 17
अंकः 162 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नगेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

दून अस्पताल के बाहर युवक को मारी गोली

देहरादून। दो पक्षों के विवाद के बाद बदमाशों ने दून अस्पताल के बाहर और एसएसपी ऑफिस से कुछ दूरी पर युवक को गोली मार दी। घायल को इलाज के लिए दून अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। 18 अक्टूबर की देर रात 2 बजे राजपुर क्षेत्रान्तर्गत कैनाल रोड स्थित कैंटीन के पास दो पक्षों में मध्य किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया, जिसमें एक पक्ष से आयुष्मान कौशिक पुत्र नवनीत कौशिक निवासी रायपुर, देहरादून, दिशांत सिंह राणा पुत्र बलवंत सिंह राणा निवासी होसला, जनपद उत्तरकाशी व माही निवासी राजपुर रोड, देहरादून अपने उपचार व मेडिकल करवाने के लिए दून अस्पताल आए।

इस दौरान कुछ देर के लिए अस्पताल के बाहर चाय पीने आए तो अचानक दूसरे पक्ष से नृपेंद्र धामा निवासी बागपत व भी दून अस्पताल उपचार के लिए पहुंचे जहां दोनों पक्षों की आपस में दोबारा कहासुनी हो गई। इस दौरान दूसरे पक्ष से आए बदमाशों ने दून हॉस्पिटल के बाहर दिशांत सिंह राणा पर गोली चला दी। घायल दिशांत सिंह राणा को उसके साथियों ने तत्काल उपचार के लिए दून अस्पताल में भर्ती कराया।

दिवाली पर पुलिस–प्रशासन तैयार

दिल्ली। दिवाली पर आप सुरक्षित रहें, इसको लेकर दिल्ली पुलिस और प्रशासन ने पूरी तैयारी कर ली है। राजधानी के तमाम मार्केट, बस अड्डों, रेलवे स्टेशन, मेट्रो स्टेशन, हवाई अड्डों के अलावा भीड़भाड़ वाले स्थानों पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल दिवाली के फौरन बाद छठ पर्व तक सुरक्षा के यह इंतजाम जारी रहेंगे। दिल्ली सरकार ने तमाम अस्पताल के अलावा पूरे सरकारी तंत्र को अलर्ट मोड में रहने के आदेश दिए हैं। दिल्ली के सभी बड़े और छोटे अस्पतालों को दिवाली पर होने वाली किसी भी अनहोनी से निपटने के लिए तैयार रहने के लिए कहा गया है। इस वर्ष सुप्रीम कोर्ट ने राजधानी वासियों को ग्रीन पटाखे चलाने की अनुमति प्रदान कर दी है ऐसे में दिवाली पर प्रदूषण का स्तर 400 के पार जाने की उम्मीद जताई जा रही है। रविवार को छोटी दिवाली के दिन ही एक्यूआई 395 के आसपास रहा। सारे हालात देखते हुए दिल्ली सरकार ने दमकल विभाग को भी तैयार रहने के लिए कहा है। पुलिस व दिल्ली सरकार ने सभी से दिवाली पर एहतियात बरतने की अपील की है।

सुरक्षा के यह रहेंगे इंतजाम–

दिवाली को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने राजधानी में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं। पुलिस की ओर से राजधानी में व्यापक और बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई है। सुरक्षित त्योहार मनाने के लिए प्रमुख बाजारों, भीड़भाड़ वाले स्थानों और व्यावसायिक केंद्रों पर विशेष सुरक्षा मुहैया करवाई गई है। पुलिस के साथ–साथ अर्द्धसैनिक बलों को भी तैनात किया गया है।

दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने ट्रैफिक को सुचारू रखने, पैदल यात्रियों की सुरक्षा और जन सुविधा सुनिश्चित करने के लिए भारी वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित करने के लिए ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया है। त्योहार के दौरान दिल्ली यातायात पुलिस ने लोगों से यातायात नियमों का पालन करने, सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करने की अपील की है।

उत्तराखंड में लैंड जिहादियों के कब्जे से 9000 एकड़ से अधिक जमीन मुक्त कराई

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि उत्तराखंड में अब तक 9000 एकड़ से अधिक जमीन 'लैंड जिहादियों' से मुक्त कराई गई है। सीएम ने कहा कि अब प्रदेश में कोई भी हरी या अन्य किसी रंग की चादर डालकर सरकारी जमीन पर कब्जा नहीं कर पाएगा। मुख्यमंत्री ने रुड़की में नवनिर्मित भाजपा दफ्तर के उद्घाटन के मौके पर कहा कि उत्तराखंड की जनसांख्यिकी और मूल स्वरूप से छेड़छाड़ नहीं होनी चाहिए और यह केवल उनका ही नहीं बल्कि पूरी देवभूमि का संकल्प है। उन्होंने कहा कि इसी संकल्प को आगे बढ़ाते हुए प्रदेश में सख्त धर्मांतरण विरोधी और दंगा विरोधी कानून लागू किया गया है। इसके साथ ही लैंड जिहाद, लव जिहाद व थूक जिहाद जैसी विकृत मानसिकताओं के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई शुरू की गई है। धामी ने कहा, अब तक 9000 एकड़ से अधिक जमीन लैंड जिहादियों से मुक्त कराई गई है। 250 अवैध मदरसों को सील करने के साथ ही 500 से अधिक अवैध ढांचो को हटाया गया है और यह काम अभी जारी है। उन्होंने कहा, अब कोई भी जिहादी, सरकारी जमीन पर अतिक्रमण करने वाला, कहीं हरी चादर, नीली चादर, पीली चादर, लाल चादर डालकर सरकारी जमीन पर कब्जा नहीं कर पाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में 'ऑपरेशन कालनेमि' के तहत सनातन हिंदू धर्म को बदनाम करने वाले छद्मवेश धारियों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि हाल में हमारी सरकार ने अल्पसंख्यक शिक्षा कानून बनाकर राज्य में चलने वाले मदरसा बोर्ड को समाप्त करने का निर्णय भी लिया है।

वन विभाग विदेशी परिंदों और उल्लुओं की सुरक्षा को लेकर अलर्ट

विकासनगर। दीपावली को लेकर पछुवादून के जंगलों में उल्लुओं और आसन वेटलैंड में प्रवासियों परिंदों की सुरक्षा को लेकर वन विभाग अलर्ट मोड पर है। अंधविश्वास के चक्कर में कुछ लोग दीपावली की रात तांत्रिक क्रियाओं के लिए उल्लुओं की बलि देते हैं। वन विभाग ने आसन वेटलेंड क्षेत्र में गश्त बढ़ा दी है। संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। विभाग की कई टीमें लगातार पेट्रोलिंग पर हैं और उल्लू या अन्य वन्य जीवों का शिकार करते हुए पकड़े जाने पर वन अधिनियम के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उल्लू न सिर्फ रहस्यमयी दिखता है, बल्कि प्रकृति की दृष्टि से भी अत्यंत उपयोगी है। यह रात में साफ देख सकता है, गर्दन लगभग पूरी तरह घूम जाती है और संवेदनशील कान अंधेरे में भी शिकार की मौजूदगी को भांप लेते हैं। इसके टेढ़े नाखून और विशेष अंगुलियां इसे शिकार पकड़ने में मदद करती हैं। बावजूद इसके यह पक्षी सिर्फ अंधविश्वास के कारण शिकारियों के निशाने पर रहता है। चकराता वन प्रभाग के डीएफओ वैभव कुमार सिंह ने बताया कि दीपावली को ध्यान में रखते हुए आसन वेटलैंड और जंगलों में विशेष निगरानी की जा रही है।

अयोध्या ने फिर रचा इतिहास, एक साथ टूटे दो रिकॉर्ड,26 लाख दीये जले

अयोध्या। 2017 से हर साल अयोध्या में आयोजित दीपोत्सव ने एक बार फिर नया इतिहास बनाया। नौवें दीपोत्सव पर इस बार दो नए वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज किए गए। दीपोत्सव पर अयोध्या के 56 घाटों पर दीपों को सजाया गया। सीएम योगी ने राम मंदिर से जैसे ही दीपोत्सव का आगाज किया, वैसे ही वालंटियर्स ने दीपों को जलाना शुरू किया। करीब 15 मिनट में 26 लाख से ज्यादा दीयों को जलाकर एक नया रिकॉर्ड कायम किया गया। साथ ही सरयू तट पर महाआरती का भी रिकॉर्ड बना। इसका सीएम योगी को प्रमाण पत्र भी सौंपा गया।

अंधेरा होते ही ड्रोन शो और लेजर शो का आयोजन किया गया, जिसने लोगों का ध्यान खींचा। हर बार की तरह इस बार भी अयोध्या में आयोजित दीपोत्सव पर देश–दुनिया की नजरें लगी रही। रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रामकथा पार्क में मंच पर राम का प्रतीकात्मक राज्याभिषेक किया। इसके बाद सीएम योगी राम मंदिर पहुंचे। प्रथम तल पर स्थापित रामदरबार में शीश झुकाकर सीएम योगी ने आशीर्वाद प्राप्त किया। सीएम योगी ने

रामलला का पूजन–अर्चन कर परिसर के मुख्य द्वार के सामने एक दीप प्रज्वलित कर दीपोत्सव का आगाज किया। दीपोत्सव का आगाज होते ही 56 घाटों पर 26 लाख 17 हजार 215 दीपक जलाकर अयोध्यावासियों ने एक नया रिकॉर्ड बनाया। फिर सरयू तट पर 2128 वेदाचार्यों महाआरती का रिकॉर्ड दर्ज किया गया। मौके पर ही दोनों का नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज करने की घोषणा की गई। इसके बाद सीएम योगी को प्रमाण पत्र सौंपा गया। इससे पहले अयोध्या में ड्रोन शो का अयोजन किया गया। 1100 ड्रोन ने आसमान में एक अद्भुत नजारा दिखाया। साथ ही आकाश में राम की आकृति भी उकेरी। राम की पैड़ी पर आयोजित लेजर और ड्रोन शो ने हर व्यक्ति का ध्यान अपनी ओर खींच लिया।

अयोध्या में रामभक्तों पर सपा ने चलवाई थी गोलियां: सीएम योगी

नौवें दीपोत्सव के मौके पर अयोध्या पहुंचे सीएम योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष पर जोरदार हमला बोला। मुख्यमंत्री ने कहा, 'जब हमने 2017 में अयोध्या धाम में दीपोत्सव आयोजित करने का निर्णय लिया, तो इसके पीछे हमारा उद्देश्य दुनिया को यह दिखाना था कि वास्तव में दीप कैसे जलाए जाते हैं।' मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से राम जन्मभूमि आंदोलन के प्रति विपक्षी दलों के रुख को लेकर उन पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, इसी अयोध्या में राम जन्मभूमि आंदोलन के दौरान कांग्रेस ने कहा था कि राम एक मिथक हैं, जबकि समाजवादी पार्टी ने राम भक्तों पर गोलियां चलवाई थी।" उन्होंने पिछले वर्ष हुए राम मंदिर 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह के निमंत्रण को कथित रूप से अस्वीकार करने को लेकर भी विपक्षी दलों की आलोचना की। आदित्यनाथ ने कहा, "ये वही लोग हैं जो बाबर की कब्र पर सजदा करते हैं, लेकिन जब उन्हें श्रीराम जन्मभूमि प्राण प्रतिष्ठा समारोह में आमंत्रित किया जाता है, तो वे निमंत्रण अस्वीकार कर देते हैं।" मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने अयोध्या में आए बदलावों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अयोध्या अब "विकास और विरासत का अद्भुत संगम" प्रस्तुत करता है। उत्सव की भव्यता जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि पूरे उत्तर प्रदेश में एक करोड़ 51 लाख दीप जलाए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री धामी ने किया यमकेश्वर में आयोजित प्रथम धन्वंतरि महोत्सव में वर्चुअल रूप से प्रतिभाग

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को माला ग्राम, यमकेश्वर में आयोजित प्रथम धन्वंतरि महोत्सव में वर्चुअल रूप से प्रतिभाग किया। उन्होंने सभी को प्रथम धन्वंतरि महोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यमकेश्वर के माला ग्राम में स्थापित हर्बल वर्ल्ड हिमालय धन्वंतरि धाम आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा का पूरे विश्व में एकमात्र समग्र केंद्र है। यह धाम भारत की आरोग्य संस्कृति का जीवंत स्वरूप होगा, जहां हमारे महान ऋषि–मुनियों द्वारा स्थापित स्वास्थ्य सिद्धांतों के साथ–साथ वनस्पति विज्ञान आधारित 09 प्रमुख चिकित्सा पद्धतियों और विश्व की लगभग 964 चिकित्सा विधाओं का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि यह पवित्र स्थल आयुर्वेद, योग, औषधीय वनस्पतियों और समग्र स्वास्थ्य के क्षेत्र में उपयोगी होने के साथ ही प्राकर्तिक चिकित्सा के क्षेत्र में नवाचार, अनुसंधान और प्रशिक्षण को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद विश्व

की एक ऐसी विशिष्ट चिकित्सा प्रणाली है जो प्राचीन काल से ही मानव सभ्यता का आरोग्य सुनिश्चित करती आ रही है। आयुर्वेद के समग्र दृष्टिकोण के कारण आज इसकी स्वीकार्यता लगातार बढ़ती जा रही है। आयुर्वेद हमें शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक तीनों रूप से स्वस्थ बनाता है। उत्तराखंड प्राचीन काल से ही आयुर्वेद और औषधीय संपदा की प्रज्ञा भूमि रही है। हमारे पर्वतीय अंचल में पाई जाने वाली औषधीय जड़ी–बूटियों ने आयुर्वेद को आरोग्य के आधारभूत तत्व के रूप में स्थापित करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्राचीन आयुर्वेदिक चिकित्सकीय पद्धतियों को बढ़ावा देने और लोगों को स्वस्थ जीवन प्रदान करने के उद्देश्य से आयुष मंत्रालय की स्थापना की गई। जिसके अंतर्गत राष्ट्रीय आयुष मिशन और प्रकृति परीक्षण अभियान जैसे विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से आज जहां एक ओर नागरिकों में स्वास्थ्य और आरोग्य स्थापित किया जा रहा है, वहीं आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में अनुसंधान, प्रशिक्षण और नवाचार को भी प्रोत्साहन दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में आयुर्वेद के प्रचार–प्रसार के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रदेश में आयुष आधारित 300 से अधिक आयुष्मान आरोग्य केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। प्रदेश के प्रत्येक जनपद में 50 और 10 बेड वाले आयुष चिकित्सालयों की स्थापना भी की जा रही है। प्रदेश में आयुष नीति को लागू कर औषधि निर्माण, वेलनेस, शिक्षा, शोध और औषधीय पौधों के उत्पादन एवं संवर्धन के लिए भी ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

अंतिम संस्कार हेतु जेब में 10 हजार रुपये रखकर खुदकुशी की

हरिद्वार। एक व्यक्ति ने अपने अंतिम संस्कार के लिए 10 हजार रुपये जेब में रखकर खुदकुशी कर ली। उसका शव हरिद्वार में वीआइपी घाट के समीप एक पेड़ पर लटका मिला। पुलिस के अनुसार, मृतक की जेब से मिले सुसाइड नोट में पत्नी से तंग आकर जान देने की बात लिखी है, लेकिन उसने अपना नाम नहीं लिखा। इस कारण शव की शिनाख्त नहीं हो सकी। पुलिस के मुताबिक, वीआइपी घाट के समीप शिव मूर्ति के बगल में एक पेड़ पर शनिवार सुबह एक व्यक्ति का शव लटका मिला। रोड़ीबेलवाला चौकी प्रभारी चरण सिंह ने मौके पर पहुंच कर शव को नीचे उतरवाया। व्यक्ति की जेब से पहचान का कोई दस्तावेज नहीं मिला। केवल एक पर्ची मिला, जिसमें लिखा है कि वह अपनी पत्नी से तंग आकर जान दे रहा है।

व्यक्ति ने सुसाइड नोट में यह भी लिखा कि उसकी जेब के 10 हजार रुपये घाट पर मौजूद बाबा को दे दिए जाएं, जिससे वह अंतिम संस्कार कर दें। शहर कोतवाली प्रभारी रितेश शाह ने बताया कि शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया गया है।

कर्नाटक में नहीं हो सका संघ का पथ संचलन

कोर्ट ने किया विशेष पीठ का गठन, 2 नवंबर मिल सकती है अनुमति

नई दिल्ली। कर्नाटक में रविवार को संघ का पथ संचलन नहीं हो सका। मंत्री प्रियांक खड़गे के गृह निर्वाचन क्षेत्र चित्तपुर में अधिकारियों ने शांति और कानून–व्यवस्था भंग होने की आशंका जताते हुए पथ संचलन की अनुमति नहीं दी। इसके खिलाफ संघ ने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया, लेकिन फिर भी उन्हें रविवार को पथ संचलन आयोजित करने में सफलता नहीं मिली। संघ की ओर से अशोक पाटिल द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई के लिए हाई कोर्ट की एक विशेष पीठ का गठन किया गया। न्यायाधीश ने याचिकाकर्ता से पूछा कि क्या किसी अन्य तिथि या समय पर पथ संचलन आयोजित करना संभव होगा, इस पर याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि दो नवंबर उपयुक्त होगा।

नया आवेदन दायर करने को कहा

कर्नाटक हाई कोर्ट ने संघ के प्रतिनिधियों से दो नवंबर को कलबुर्गी के

चित्तपुर में पथ संचलन आयोजित करने की अनुमति के लिए नया आवेदन दायर करने कहा। न्यायमूर्ति ने कहा कि याचिकाकर्ता को रूट, स्थान और समय के विवरण और पहले उठाए गए प्रश्नों के उत्तरों के साथ नया आवेदन प्रस्तुत करना होगा। यह आवेदन कलबुर्गी जिले के उपायुक्त को प्रस्तुत किया जाएगा, जिसकी एक प्रति तालुका कार्यकारी मजिस्ट्रेट और पुलिस को भी दी जाएगी। न्यायालय ने अधिकारियों से आवेदन पर विचार करने और 24 अक्टूबर को न्यायालय में रिपोर्ट प्रस्तुत करने कहा है। याचिका में गुण–दोष के आधार पर कोई आदेश पारित नहीं किया गया है और रिपोर्ट प्राप्त होने पर इस पर विचार किया जाएगा।

शांति समझौते के बीच इजरायल ने गाजा में बरसाए बम

आतंकी ठिकानों पर कड़ी कार्रवाई

गाजा। इजरायली सेना ने राफा में हवाई हमलों की बात स्वीकार की है। उसने कहा है कि हमास आतंकियों ने सीजफायर तोड़ा और इजरायल की सेना पर गोलीबारी की थी। इसका मुंहतोड़ जवाब देने के लिए यह कार्रवाई की गई है। इजरायली पीएम नेतन्याहू ने इस कार्रवाई का आदेश दिया था। इजरायली सेना की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि आज दिन में आतंकियों ने आईडीएफ पर एंटी टैंक मिसाइलें दागीं। इसके अलावा उनकी तरफ से फायरिंग भी की गई। बयान में कहा गया है कि इजरायली सेना हमास के साथ समझौते की शर्तों के मुताबिक राफा इलाके में

आतंकियों के बुनियादी ठिकाने को नष्ट करने गई। बता दें कि इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजापट्टी में आतंकी ठिकानों पर कड़ी कार्रवाई का आदेश दिया था। उन्होंने सुरक्षा बलों से कहा था कि आतंकियों के खिलाफ कड़ा ऐक्शन लिया जाए। साथ ही उन्होंने हमास के ऊपर सीजफायर तोड़ने का भी आरोप लगाया। इजरायली सेना द्वारा जारी बयान में आगे कहा गया है कि आईडीएफ ने आतंकियों की गोलीबारी का जवाब हवाई हमलों से दिया। राफा एरिया को निशाना बनाते हुए फाइटर जेट्स से हमले किए गए और आर्टिलरी फायरिंग की गई। इजरायल के मुताबिक इसमें कई टनल्स और मिलिट्री इंफ्रास्ट्रक्चर्स को तबाह किया गया। इन सभी में आतंकी गतिविधियां चल रही थीं। इससे पहले इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू के ऑफिस की तरफ से बयान जारी हुआ। इसमें कहा गया कि हमास ने सीजफायर का उल्लंघन किया है। इसको देखते हुए प्रधानमंत्री ने रक्षामंत्री और सुरक्षा अधिकारियों के साथ बैठक की। इसके बाद आदेश दिया गया है कि गाजा पट्टी में आतंकियों के ठिकानों पर कड़ा ऐक्शन लिया जाए।

दिल्ली में फिर जहरीली हुई हवा

दिल्ली। दिल्ली–एनसीआर में एक बार फिर दमघोटू हवा का पहरा दिखाई दे रहा है। दिन पर दिन प्रदूषण का स्तर बढ़ता जा रहा है। ऐसे में दिवाली से ठीक पहले ग्रैप 2 लागू कर दिया गया है। इससे एक दिन पहले ही ग्रैप एक लागू किया गया था। दरअसल रविवार को दिल्ली में प्रदूषण का स्तर बढ़ गया था जिसके बाद एयर क्वालिटी बहुत खराब श्रेणी के करीब पहुंच गई। इस दौरान कई इलाकों में एक्यूआई 301 के पार पहुंच गया जिसके बाद अब ग्रैप 2 के प्रतिबंध लागू करने का फैसला लिया गया है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, शहर में शाम चार बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 296 दर्ज किया गया, जो खराब" श्रेणी में आता है। 301 से 400 के बीच का एक्यूआई बहुत खराब श्रेणी में आता है। राष्ट्रीय राजधानी के 38 निगरानी स्टेशनों में से 12 में वायु गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी में दर्ज की गई। एक्यूआई 301 से 400 के बीच दर्ज किए जाने पर ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान का दूसरा चरण लागू किया जाता है।

बिहार में हमारा गठबंधन बहुत मजबूत, उम्मीदवारों को लेकर असमंजस जल्द होगा दूर : हरीश रावत

देहरादून। बिहार चुनाव को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश रावत ने कहा कि बिहार में हमारा गठबंधन बहुत मजबूत है। कुछ जगहों पर उम्मीदवारों को लेकर जो असमंजस है, उसे दूर कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि चुनावी रणनीति के तहत कुछ जगहों पर गठबंधन के एक से ज़्यादा उम्मीदवार हो सकते हैं। लेकिन वोट गठबंधन के गढ़ में ही जाएगा। हरीश रावत कहते हैं, बिहार में हालात उतने खराब नहीं हैं, जितना एनडीए बता रहा है। बता दें कि पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत शुक्रवार शाम दिल्ली–देहरादून हाईवे पर एक सड़क

हादसे का शिकार हो गए। उनकी कार कंकरखेड़ा थाना क्षेत्र में अनियंत्रित होकर अन्य गाड़ियों से टकरा गई। हादसा अचानक सामने आए वाहन को बचाने के दौरान हुआ। गनीमत यह रही कि पूर्व मुख्यमंत्री सहित वाहन में मौजूद सभी लोग बाल–बाल बच गए। जानकारी के अनुसार, हरीश रावत अपने निजी वाहन से देहरादून से दिल्ली की ओर जा रहे थे। जैसे ही उनकी कार कंकरखेड़ा क्षेत्र में पहुंची, अचानक एक वाहन ने सामने से कट मार दिया। चालक ने कार को बचाने की कोशिश की, लेकिन नियंत्रण बिगड़ने से वह अन्य गाड़ियों से टकराते हुए डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही कंकरखेड़ा पुलिस मौके पर पहुंची और पूर्व मुख्यमंत्री की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी। पुलिस ने तुरंत दूसरी गाड़ी की व्यवस्था की, जिसमें उन्हें सुरक्षित गंतव्य तक भेजा गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि हाईवे पर भारी ट्रैफिक और लापरवाह वाहन चालकों के कारण आए दिन हादसे होते हैं। हादसे के बाद कुछ देर के लिए जाम जैसी स्थिति भी बन गई थी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत से दूरभाष पर वार्ता कर उनकी कुशलक्षेम जानी। मुख्यमंत्री ने वाहन दुर्घटना में हरीश रावत के सकुशल होने पर ईश्वर का आभार व्यक्त किया और उनकी कुशलता की कामना की।

दुष्कर्म के इरादे से पांच साल की बच्ची को अगवा कर ले गया दरिंदा, गिरफ्तार

रुद्रपुर। ट्रांजिट कैंप से पांच साल की बच्ची को दुष्कर्म के इरादे से अगवा करने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही उसके विरुद्ध प्राथमिकी पंजीकृत कर कोर्ट में पेश किया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। सीओ सिटी प्रशांत कुमार ने बताया कि तीनपानी डैम निवासी महिला गुरुवार सुबह काम पर चले गई थी। जबकि उसका पति दिल्ली में काम करता है। ऐसे में उसके छोटे बच्चे घर में ही थे। इस दौरान उसके तीन बच्चे खेलते हुए घर से करीब पांच सौ मीटर दूर तक पहुंच गए थे। जहां से दो बड़े बच्चे वापस लौट गए लेकिन पांच साल की बच्ची वहीं रुक गई। इसी बीच बच्ची को अकेला देखकर एक दुष्कर्म करने के इरादे से उसे अगवा कर किच्छा बाइपास

रोड स्थित एक बगीचे की ओर ले गया था। बच्ची के शोर मचाने पर आसपास के लोग एकत्र हुए तो आरोपित फरार हो गया था। मामले में पुलिस ने पीड़िता की मां की तहरीर पर प्राथमिकी पंजीकृत कर आरोपित की तलाश शुरू कर दी थी। साथ ही सीसीटीवी फुटेज की मदद से पुलिस ने उसकी पहचान मूलरूप से खमरिया थाना बंडा, तहसील पुवायां जिला शाहजहांपुर और हाल कृष्णा कालोनी ट्रांजिट कैंप निवासी राजीव कुशवाहा पुत्र नंदलाल कुशवाहा के रूप में की। जिसके बाद थानाध्यक्ष मोहन पांडे, एसएसआइ महेश कांडपाल की अगुवाई में पुलिस उसकी गिरफ्तारी के प्रयास में जुट गई थी। फार्म स्वामी की वजह से टला बड़ा हादसाः पांच साल की बच्ची को आरोपित राजीव जिस फार्म में लेकर गया था वह खेड़ा निवासी जयदीप सिंह का है। जब बच्ची को आरोपित झाड़ियों में ले जाने लगा तो आसपास काम कर रहे लोगों को शक हुआ। इस पर उन्होंने जयदीप को जानकारी दी। जब वह वहां पहुंचे तो आरोपित फरार हो गया।

ट्रेडिंग एप पर मुनाफे का झांसा देकर 10.91 लाख रुपये की ठगी

देहरादून। साइबर ठगों ने व्यक्ति को ट्रेडिंग एप पर निवेश कर मुनाफे का झांसा देकर 10.91 लाख रुपये की ठगी कर दी। इस मामले में नेहरू कालोनी थाना पुलिस ने अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस को दी तहरीर में सचिन नेगी, निवासी सैनिक कॉलोनी, मोथरोवाला ने बताया कि अगस्त 2025 के पहले सप्ताह में उन्होंने ईटी मनी नामक एक एप प्ले स्टोर से डाउनलोड किया। एप इंस्टाल करने के कुछ देर बाद उनके वाट्सएप नंबर पर एल्फा स्मार्ट एकेडमी नाम से एक ट्रेडिंग ग्रुप में जुड़ने का निमंत्रण आया। शिकायतकर्ता ने बताया कि ग्रुप की एडमिन सानवी जैन और मानव सेठ थे, जोकि खुद को ईटी मनी कंपनी के वरिष्ठ पदाधिकारी बता रहे थे। ईटी मनी की ओर से प्राप्त एक ईमेल में भी सानवी जैन का नाम दिया गया था, इसलिए उस पर विश्वास कर लिया। इसके बाद ठगों ने उन्हें अपने वाट्सएप ग्रुपों में जोड़ दिया। सानवी जैन ने उन्हें एक लिंक भेजा, जिसे क्लिक करने पर ईटी मनी एनएनडब्ल्यू एप खुला। इसमें उन्होंने पूरी गोपनीय जानकारी भर दी। 6 अगस्त को उन्होंने निवेश के लिए 20 हजार रुपये जमा किए। इसके बाद सानवी जैन रोजाना ग्रुप में इंस्टीट्यूशनल स्टाक बताती थीं, जिसे सभी सदस्य खरीदते और अगले दिन बेचते थे। धीरे–धीरे उनका मुनाफा बढ़ता गया और बीच–बीच में आइपीओ में भी निवेश कराया गया। आवश्यकता पड़ने पर वह अतिरिक्त राशि जमा करने को कहती थी। इस प्रकार उन्होंने कुल लगभग 10.91 लाख रुपये अलग–अलग बैंक खातों में जमा कर दिए। इसमें उनका बैलेंस 57.96 लाख रुपये दिखाई दे रहा था।

केंद्र ने लेह हिंसा के बाद एसएबी–केडीए को किया तलब

दिल्ली। 24 सितंबर को लेह में भड़की हिंसक घटनाओं के बाद केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने लेह ऐपेक्स बॉडी और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस के प्रतिनिधियों को 22 अक्टूबर को नई दिल्ली में बातचीत के एक नए दौर के लिए बुलाया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मंत्रालय ने लद्दाख नेतृत्व की उप–समिति को बैठक के लिए निमंत्रण भेजा है। एलएबी के सह–अध्यक्ष चेरिंग दोरजे लकरुक ने रविवार को बताया कि लद्दाख के प्रतिनिधि 22 अक्टूबर को दिल्ली में गृह मंत्रालय की उप–समिति से चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि एलएबी और केडीए से तीन–तीन सदस्य, साथ ही लद्दाख के

सांसद मोहम्मद हनीफा जान भी वार्ता में शामिल होंगे। चर्चा का फोकस संविधान की छठी अनुसूची के तहत राज्य का दर्जा देने और सुरक्षा उपायों जैसी प्रमुख मांगों पर रहेगा। लकरुक ने आगे कहा कि गृह मंत्रालय ने हमें सूचित किया कि उप–समिति की बैठक 22 अक्टूबर को तय है, जिसमें एलएबी और केडीए दोनों को बुलाया गया है। हम सरकार के इस फैसले का स्वागत करते हैं और सकारात्मक परिणाम की आशा रखते हैं। बता दें कि लद्दाख नेतृत्व ने चार मुख्य मांगें हैं– छठी अनुसूची में शामिल करना, राज्य का दर्जा, समर्पित लोक सेवा आयोग की स्थापना और दो संसदीय सीटें (जबकि फिलहाल केवल एक है)। गौरतलब है कि 24 सितंबर को लेह में बड़े पैमाने पर हिंसक विरोध प्रदर्शन हुए थे। एलएबी ने राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची के विस्तार की मांगों पर केंद्र से बातचीत आगे बढ़ाने के लिए बंद का आह्वान किया था।

सम्पादकीय

कम हुई शिशु मृत्यु दर

अक्सर जन्म के समय बच्चों की मृत्यु जीवन भर की टीस देकर जाती है। मातृत्व के दौरान गर्भवती स्त्रियों की अच्छी तरह से देखभाल न होना इसका एक प्रमुख कारण बन सकता है लेकिन उत्तराखंड प्रदेश से आंकड़ों को लेकर एक अच्छी खबर यह है कि प्रसव के दौरान नवजात की मृत्यु होने के मामलों में कमी देखने को मिली है। प्रदेश की विषम भौगौलिक परिस्थितियों और अन्य चुनौतियों के बावजूद भी प्रदेश में नवजात मृत्यु दर, शिशु मृत्यु दर और 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर में आई उल्लेखनीय गिरावट राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं के लिए एक सुखद आंकड़ा है। स्वास्थ विभाग के उन सभी कर्मठ लोगों की पहल पर प्रदेशभर में संस्थागत प्रसव को बढ़ावा मिला और आशाओं के माध्यम से गर्भवती महिलाओं को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई गई, जो दिन रात अपनी ड्यूटी की निभाते रहे। भारत सरकार के महापंजीयक की ओर से जारी किये गये वर्ष 2022 के आंकड़ों के अनुसार राज्य में नवजात मृत्यु दर 15 प्रति हजार जीवित जन्म, शिशु मृत्यु दर 21 प्रति हजार जीवित जन्म तथा 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर 25 प्रति हजार जीवित जन्म है। जो पिछले वर्षों की तुलना में भारी कमी दर्शाते हैं। यह सुधार राज्य के मजबूत स्वास्थ्य ढांचे और स्वास्थ्य विभाग की धरातल पर की गई पहलों का प्रत्यक्ष प्रणाम है। उत्तराखंड के स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा प्रदेशभर में संस्थागत प्रसव को प्रोत्साहित किया गया और गर्भवती महिलाओं के शतप्रतिशत टीकाकरण एवं समुचित देखभाल हेतु आशाओं के माध्यम से विशेष अभियान चलाये गये, जिसके अपेक्षित परिणाम तो मिले ही, साथ ही खुशियों की सवारी योजना सहित अन्य योजनाओं का लाभ भी गर्भवती महिलाओं को पहुंचाया गया जिस कारण शिशु मृत्यु दर में गिरावट देखने को मिली। गर्भवती महिलाओं की सुविधाओं को लेकर प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार करते हुए प्रदेशभर में नवजात की देखभाल के लिये चिकित्सा इकाईयों में सुविधाओं का भी दायरा बढ़ाया गया। राज्य के अस्पतालों में 4 नवजात आई.सी.यू स्थापित किये गये, 9 स्पेशल न्यू बोर्न केयर यूनिट, 34 न्यू बोर्न स्टेबलाइजेशन यूनिट, 289 नवजात शिशु देखभाल कार्नर तथा 47 कंगारू मदर केयर यूनिट संचालित की जा रही है। जबकि वर्ष 2024–25 में जिला चिकित्सालय देहरादून व रूद्रप्रयाग में न्यू बोर्न केयर यूनिट क्रियाशील किये गये। जिसके चलते वित्तीय वर्ष 2024–2025 में नवजात आईसीयू, स्पेशल न्यू बोर्न केयर यूनिट में कुल 4,643 नवजातों का सफल उपचार किया गया। उत्तराखंड के स्वास्थ्य विभाग पर हालांकि व्यवस्था को लेकर सवाल भी खड़े होते आए हैं जिनमें कई ऐसे प्रकरण सामने आए जिनमें स्वास्थ्य सुविधाएं न मिलने के कारण प्रसूति महिलाओं की मृत्यु हो गई तो कहीं सुदरवर्ती क्षेत्र में प्रसव के लिए अस्पतालों में व्यवस्था ही उपलब्ध नहीं थी। बावजूद इसके मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी होना एक सराहनीय कदम है और राज्य सरकार को भविष्य में सुदूरवर्ती विषम भौगोलिक परिस्थितियों वाले स्थान पर भी प्रसव संबंधी हाईटेक सुविधा उपलब्ध करने के प्रयास करने चाहिए। पारिवारिक स्तर पर भी गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य एवं खानपान को लेकर खास सावधानियां बरतनी चाहिए ताकि स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ–साथ परंपरागत उपायों से भी स्वस्थ बच्चे का जन्म हो सके।

ओवैसी की मोदी–मुहम्मद तुलना

निस्संदेह, प्रत्येक व्यक्ति को मोदी ही नहीं बल्कि मुहम्मद से भी मुहब्बत जताने की आजादी है। इसमें विवाद नहीं। पर यह तुलना गलत है। 'मुहम्मद से मुहब्बतइ की उचित तुलना मोदी नहीं, बल्कि तसलीमा नसरीन या सलमान रुश्दी होते। क्या सब को तसलीमा नसरीन से भी वही मुहब्बत दर्शाने, 'आई लव तसलीमाइ के पोस्टर लगाने की आजादी होनी चाहिए या नहीं? विशेषकर मुसलमानों को? इस्लामी मूल ग्रंथों के अध्ययन करके, मुहम्मद के जीवन और कार्य के अनेक उदाहरण देकर अपने मार्मिक निबंध 'बिकॉज ऑफ रिलीजनइ (2003) में तसलीमा इस निष्कर्ष पर पहुँचीं: मुहम्मद ने कुरान अपने स्वार्थ के लिए, अपनी सुविधा के लिए, अपने सुख के लिए लिखी थी। सो, इस्लाम का इतिहास जान कर वह उस से उदासीन हो गईं। इसलिए सही तुलना यह होती: कि जैसे मोदी या मुहम्मद से प्रेम करने का अधिकार सभी भारतवासियों को है, वैसे ही मोदी और मुहम्मद की आलोचना करने का भी सब को अधिकार है। जैसा तसलीमा ने कहा: कोई व्यक्ति आलोचना से ऊपर नहीं – न कोई मनुष्य, न कोई संत, न कोई मसीहा, न कोई प्रोफेट, न कोई गॉड। संसार को बेहतर बनाने के लिए आलोचनात्मक परीक्षण आवश्यक है।

शंकर शरण

ओवैसी ने अभी 6 अक्तूबर को बहादुरगंज की एक सभा में पूछा: अगर हम 'आई लव मुहम्मदइ का पोस्टर लेकर चलें तो उसमें अवैध क्या है? इस का उत्तर है कि तसलीमा का कथन जब तक इस्लाम रहेगा, आतंकवाद रहेगा का पोस्टर लेकर चलना भी उतना ही वैध है। यानी, मुहम्मद की आलोचना उतना ही वैध है जितना मुहम्मद से मुहब्बत करना। दोनों अधिकार समान धरातल पर हैं। एक ही सिक्के के दो पहलू।जैसा तसलीमा ने कहा: कोई व्यक्ति आलोचना से ऊपर नहीं – न कोई मनुष्य, न कोई संत, न कोई मसीहा, न कोई प्रोफेट, न कोई गॉड। संसार को बेहतर बनाने के लिए आलोचनात्मक परीक्षण आवश्यक है।ज

गत 2 अक्तूबर को हैदराबाद में एम.आई.एम. नेता असदुद्दीन ओवैसी ने कहा: इस देश में 'आई लव मोदीइ तो बोल सकते हैं, लेकिन 'आई लव मुहम्मदइ नहीं बोल सकते। आप इस देश को कहाँ ले जा रहे हैं? यदि कोई कहे 'आई लव मोदीइ तो मीडिया वाले भी खुश हो जाएंगे। मगर कोई 'आई लव मुहम्मद बोले तो कहेंगे यह ठीक नहीं है निस्संदेह, प्रत्येक व्यक्ति को मोदी ही नहीं बल्कि मुहम्मद से भी मुहब्बत जताने की आजादी है। इसमें विवाद नहीं। पर यह तुलना गलत है। 'मुहम्मद से मुहब्बतइ की उचित तुलना मोदी नहीं, बल्कि तसलीमा नसरीन या सलमान रुश्दी होते। क्या सब को तसलीमा नसरीन से भी वही मुहब्बत दर्शाने, 'आई लव तसलीमाइ के पोस्टर लगाने की आजादी होनी चाहिए या नहीं? विशेषकर मुसलमानों को? इस्लामी मूल ग्रंथों के अध्ययन करके, मुहम्मद के जीवन और कार्य के अनेक उदाहरण देकर अपने मार्मिक निबंध 'बिकॉज ऑफ रिलीजनइ (2003) में तसलीमा इस निष्कर्ष पर पहुँचीं: मुहम्मद ने कुरान अपने स्वार्थ के लिए, अपनी सुविधा के लिए, अपने सुख के लिए लिखी थी। सो, इस्लाम का इतिहास जान कर वह उस से उदासीन हो गईं।

इसलिए सही तुलना यह होती: कि जैसे मोदी या मुहम्मद से प्रेम करने का अधिकार सभी भारतवासियों को है, वैसे ही मोदी और मुहम्मद की आलोचना करने का भी सब को अधिकार है। जैसा तसलीमा ने कहा: कोई व्यक्ति आलोचना से ऊपर नहीं – न कोई मनुष्य, न कोई संत, न कोई मसीहा, न कोई प्रोफेट, न कोई गॉड। संसार को बेहतर बनाने के लिए आलोचनात्मक परीक्षण आवश्यक है। जैसा तसलीमा ने कहा: कोई व्यक्ति आलोचना से ऊपर नहीं – न कोई मनुष्य, न कोई संत, न कोई मसीहा, न कोई प्रोफेट, न कोई गॉड। संसार को बेहतर बनाने के लिए आलोचनात्मक परीक्षण आवश्यक है।अतः जब तक हर भारतवासी यह बात रखने के अधिकार को भी स्वीकार नहीं करे, तब तक केवल मोदी या मुहम्मद पर केंद्रित रहना एकतरफा शिकायत होगी। ऐसा अधिकार कोई नहीं रख सकता जिस से वह दूसरों को वंचित करना चाहे। यदि ओवैसी किसी व्यक्ति या विचार से प्रेम रखने का अधिकार माँगते हैं, तो उन्हें समान रूप से स्वीकार करना होगा कि दूसरों को उसी व्यक्ति या विचार को नापसंद करने का भी अधिकार है। अन्यथा वह अपनी पसंद दूसरों पर थोपना हो जाएगा। चाहे वह मोदी हों या मुहम्मद।

अभिव्यक्ति स्वतंत्रता एकतरफा नहीं हो सकती। वह भी एक ही विषय पर। जैसे, अभी 'आई लव मुहम्मद विषय है। यहाँ 'आई डोन्ट लव मुहम्मदइ भी कहने का वही खुला अधिकार होना चाहिए। मोदी या मुहम्मद, उन के बारे में केवल मीठी बातें कहने की अनुमति नहीं होनी चाहिए। महान लेखक जॉर्ज ऑरवेल की उक्ति प्रसिद्ध है: यदि स्वतंत्रता का कोई अर्थ है तो यही है कि लोगों को वह बात कहने का अधिकार हो जिसे वे सुनना नहीं चाहते। यानी, असुविधाजनक सत्य।

यही उक्ति 'आई लव मुहम्मदइ को सही परिप्रेक्ष्य में रखती है। इस का सर्वाधिक उपयुक्त आधार मुहम्मद की प्रमाणिक जीवनी, सीरा है। (इब्न इशाक का 'सीरते रसूल अल्ला, अंग्रेजी अनु. 'द लाइफ ऑफ मुहम्मदइ)। यह सर्व–प्रमाणिक ग्रंथ मुहम्मद के कथनों और कार्यों के विवरणों से भरा है। उसे पढ़कर असंख्य पाठक मुहम्मद के अनेक विचारों और कार्यों को प्रेम करने योग्य नहीं पा सकते। तसलीमा केवल उदाहरण हैं।

उस के अलावा भी अनेक महत्वपूर्ण प्रश्न है – विशेषकर गैर–मुसलमानों (काफिरों) के प्रति मुहम्मद के राजनीतिक निर्देश। जो न्यायोचित मूल्यांकन की माँग करते हैं। इसलिए भी, क्योंकि विश्वभर में असंख्य मुस्लिम नेता, जहाँ भी उन्हें शक्ति या अवसर मिलता है, उन्हीं निर्देशों को लागू करने का प्रयास करते हैं। इसके अनेक उदाहरण भारत समेत दुनिया भर में हैं, जहाँ गैर–मुस्लिमों को उन निर्देशों की पीड़ा झेलनी पड़ती है। कश्मीरी पंडित और बंगाली हिन्दू तो वर्तमान उदाहरण हैं। पर मुहम्मद के उन निर्देशों के परीक्षण, मूल्यांकन को अधिकांश नेता दबाने की प्रवृत्ति रखते है।जैसे अभी ओवैसी कर रहे हैं, वे मुहम्मद से मुहब्बत की वैधता पर बल देते हैं, परंतु उन की आलोचना की उसी वैधता से इनकार करते हैं। यही असली समस्या है। इसे किसी समुदाय का 'फेथइ बताकर सुलझाया नहीं जा सकता। क्योंकि ठीक उलटे फेथ और समुदाय भी हैं। बुतशिकनी ही नहीं, बुतपरस्ती भी फेथ है। तब कैसे फैसला होगा?

इसलिए मानवता की दो आचार–संहिता नहीं हो सकती, जैसे एक मानव शरीर में दो हृदय नहीं रह सकते। मानवता का भाग होने के नाते मुसलमानों को वह स्वर्णिम नियम मानना होगा जो सभी मनुष्यों पर लागू है: दूसरों के साथ वैसा ही करो जैसा तुम चाहते हो कि वे तुम्हारे साथ करें। इसलिए, एक ओवैसी को भी सहजता से उस स्वर्णिम नियम का पालन करना चाहिए जैसा तसलीमा नसरीन या सलमान रुश्दी करते हैं। किंतु राजनीतिक, कानूनी और नैतिक विषयों की एक पूरी श्रृंखला है, जिस पर अधिकांश मुस्लिम नेता विशेषाधिकार का अंदाज रखते हैं। वे अपने लिए ऊँचा और दूसरे के लिए नीचा व्यवहार रखते हैं – कानून ही नहीं, मानवीय नैतिकता से भी ऊपर। वे अन्य धर्मों और धर्म समुदायों के लिए अपमानजनक शब्दों का प्रयोग करते हैं। उन्हें 'कुफ्रइ और उनके अनुयायियों को 'काफिरइ कह कर। पूरी इस्लामी शब्दावली में इससे अधिक घृणित शब्द दूसरा नहीं! यह दिखाने के लिए अकेले कुरान ही काफी है। पर काफिरों को इस्लाम की आलोचना करने देने की स्वतंत्रता से अधिकांश मुस्लिम नेता इनकार करते हैं। कानूनी ही नहीं, नैतिक आधार पर भी !यही सारी दुनिया में इस्लाम की मूल समस्या है। ओवैसी की एकतरफा शिकायत उसी का ताजा नमूना है। वे अपनी आजादी चाहते हैं, पर तसलीमा की छीनना चाहते हैं। तसलीमा या रुश्दी जैसे मुसलमानों की जान पर भी हमले होते हैं। क्योंकि वे मुहम्मद के बारे में असुविधाजनक लगने वाले तथ्य सामने लाते हैं। यह दो मापदंड एक मानव समाज कब तक झेल पाएगा? मुस्लिम नेताओं को इस प्रश्न का सामना करना बाकी है इसीलिए, 'मुहम्मद से मुहब्बतइ के सामने 'मोदी से मुहब्बतइ रखना गलत और भ्रामक है। वास्तविक तुलना 'मुहम्मद से मुहब्बतइ और 'रुश्दी से मुहब्बतइ की होनी चाहिए। दोनों मनुष्य हैं। चाहे, ऐतिहासिक ही सही। वस्तुतः मुहम्मद के ही सन्दर्भ में रुश्दी भी एक ऐतिहासिक हस्ती बन चुके हैं। उन्होंने कुरान की 'शैतानी आयतोंइ के असुविधाजनक प्रश्न को केंद्र में ला दिया। जो इस्लाम में शुरू से मौजूद रहा है। रुश्दी द्वारा दिए गये तथ्य मूल इस्लामी स्रोतों से ही लिए गये हैं। रुश्दी ने कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में इस्लाम का भी विशेष अध्ययन किया था। वास्तव में, रुश्दी के विरुद्ध खुमैनी के फतवे ने उस प्रश्न को हजार गुना अधिक प्रचारित कर दिया जिसे रुश्दी ने परोक्ष रूप से उठाया था। परंतु वह फतवा, और हालिया हमला जिसमें रुश्दी अपंग हो गए, उस प्रश्न को खत्म न कर सका! ईमामों, अयातुल्लाओं और मुस्लिम नेताओं, संगठनों, तंजीमों की पूरी फौज भी रुश्दी द्वारा उठाए गए उस एक मासूम सवाल का जवाब नहीं दे सकी, जो मुहम्मद के बारे में की गई थी।

वह प्रश्न यह था: यदि मुहम्मद ने खुद ही कहा कि कुछ आयतें अल्लाह की नहीं, बल्कि शैतान की प्रेरणा से उनके मुँह से निकली थीं, इसलिए वे कुरान से हटा दी गईं – तो क्या गारंटी है कि ऐसा कुछ अन्य आयतों के साथ भी नहीं हुआ होगा? यह रुश्दी ने रूपक में पूछा था, बिना इस्लामी ग्रंथों के असली पात्रों का नाम लिए। किन्तु पैंतीस साल पहले इतना भी मुस्लिम नेताओं को मंजूर न था! आज तो अनगिनत मुस्लिम लेखक – तसलीमा, वफा सुल्तान, अय्यान सिरसी अली, आदि – मुहम्मद पर और भी सीधे प्रश्न उठा रहे हैं। किंतु नाराजगी, धमकी और हिंसा के अलावा मुस्लिम नेताओं के पास कोई जवाब नहीं। यह स्थिति अधिक दिन नहीं रह सकती। ओवैसी जैसे बौद्धिक नेताओं को इसे न्यायसंगत रूप से देखना होगा। चुनी हुई नाराजगी और शिकायत अब काम नहीं करेगी। शिकायत और नाराजगी दूसरों को भी है। वास्तव में, वैसे प्रश्न नए भी नहीं, जो रूशदी या तसलीमा ने उठाए हैं। बहुत से मक्कावासियों ने वही सवाल मुहम्मद से भी पूछे थे। वे उत्तर नहीं दे सके और केवल तलवार से सभी सवालों का निपटारा किया। यह सब उन की जीवनी में विस्तार से लिखा मिलता है। अब चौदह सदियों बाद भी, उसी तरीके की सीमा है। जैसा कि रुश्दी और तसलीमा के मामले में भी देखा गया। अच्छा हो, कि मुस्लिम नेता इस पर विचार करें। किसी समान मानदंड के साथ, जो सब पर लागू हो। उन पर भी जो 'मुहम्मद से मुहब्बतइ करते हैं और उन पर भी जो नहीं करते। एकतरफा नाराजगी दोतरफा असंतोष बढ़ाती है। यह न सभी मुसलमानों को संतुष्ट कर सकता है, न ही मानवता को। नई तकनीक ने मुसलमानों को नए प्रकार से सशक्त किया है –अब वे कुरान, हदीस, और सीरा को जानने–समझने के लिए केवल मुल्लों पर निर्भर नहीं। इस्लामी मूल ग्रंथों की सारी बातें अब हर भाषा में, इंटरनेट पर दुनिया के हर कोने में फौरन और मुफ्त देखने, जाँचने–परखने के लिए उपलब्ध हैं। अतः अनेक मुसलमान भी रुश्दी या तसलीमा द्वारा उठाए गए प्रश्नों पर धमकी और हिंसा के बजाय किसी बेहतर उत्तर की माँग करेंगे। सो, ओवैसी ने अभी 6 अक्तूबर को बहादुरगंज की एक सभा में पूछा: अगर हम 'आई लव मुहम्मदइ का पोस्टर लेकर चलें तो उसमें अवैध क्या है? इस का उत्तर है कि तसलीमा का कथन जब तक इस्लाम रहेगा, आतंकवाद रहेगा का पोस्टर लेकर चलना भी उतना ही वैध है। यानी, मुहम्मद की आलोचना उतना ही वैध है जितना मुहम्मद से मुहब्बत करना। दोनों अधिकार समान धरातल पर हैं। एक ही सिक्के के दो पहलू। अतः ओवैसी को भी एक सवाल का जवाब देना होगा। जब उनके दल एम.आई.एम. के कार्यकर्ताओं ने हैदराबाद में तसलीमा नसरीन पर हमला किया। उस के बाद उन दल के नेता और भाई अकबरुद्दीन ओवैसी ने 9 अगस्त 2007 को प्रेस क्लब, हैदराबाद में खुले आम घोषणा की थी: यदि वह अगली बार आई, तो हम उसे मार डालेंगे। कृपा कर असदुद्दीन ओवैसी बताएं – उस में वैध क्या था? आज यदि ओवैसी कानून का हवाला दे रहे हैं, तो दूसरों को भी वही हक है।

कहीं दिल्ली पेयजल की प्यासी न हो जाए!

विनीत नारायण

गौरतलब है कि अकबर की राजधानी फतेहपुर सीकरी पानी के अभाव के कारण मात्र 15 सालों में ही उजड़ गई थी।ज् दिल्ली का संकट केवल एक चेतावनी है। आने वाले वर्षों में संकट और बढ़ेगा। विशेषज्ञों के मुताबिक़, यदि ठोस कदम नहीं उठाए गए तो 2030 तक देश के आधे बड़े शहर 'जल–विहीनइ क्षेत्रों की श्रेणी में आ सकते हैं। इसलिए अब समय है कि सरकार और समाज दोनों मिलकर दीर्घकालिक रणनीति अपनाएँ।इस वर्ष देश भर में हुई भारी बारिश और जल प्रलय के बावजूद भारत के शहरी क्षेत्रों में जल संकट है। पेयजल संकट आशंका नहीं, बल्कि एक कठोर सच्चाई है। दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, बेंगलुरु जैसे महानगर, जो आर्थिक प्रगति और आधुनिक जीवनशैली के प्रतीक हैं, अब जल प्रबंधन की विफलता के गंभीर परिणाम झेल रहे हैं। हाल ही में दिल्ली के वसंत कुंज क्षेत्र में तीन बड़े मॉल और आसपास की सप्लाई के पूरी तरह ठप हो जाने से यह संकट फिर सुर्ख़ियों में आया।इन प्रतिष्ठानों को बंद करने की नौबत इसलिए आ गई है क्योंकि टैंकरों से इनकी जल आपूर्ति रुक गई, जबकि भूजल दोहन (ग्राउंड वॉटर बोरिंग) पर पहले से ही एनजीटी ने प्रतिबंध लगा रखा है। यह स्थिति केवल अस्थायी तकनीकी समस्या नहीं, बल्कि एक गहरे प्रशासनिक और नैतिक संकट की ओर संकेत करती है। पिछले सात दशकों में खरबों रुपया जल प्रबंधन पर खर्च किए जाने के बावजूद ऐसा है तो आखिर क्यों??

दिल्ली महानगर की जनसंख्या 2 करोड़ से अधिक है। इससे जल आपूर्ति की व्यवस्था लंबे समय से दबाव में है। दिल्ली जल बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, शहर में प्रतिदिन करीब 1,000 मिलियन गैलन पानी की मांग है, जबकि उपलब्धता मुश्किल से 850 मिलियन गैलन तक पहुँच पाती है। वसंत कुंज जैसे पॉश इलाकों में भी पिछले कुछ वर्षों से पानी की टंकियों और निजी टैंकरों पर निर्भरता बढ़ी है। परंतु इस बार स्थिति पहले से कहीं अधिक भयावह हो गई क्योंकि प्रशासन ने सुरक्षा और ट्रैफिक कारणों से टैंकरों की आवाजाही पर रोक लगा दी। इस निर्णय का सबसे बड़ा असर व्यापारिक केंद्रों जैसे मॉल्स, रेस्तरां और दुकानों पर पड़ा है। इन मॉल्स में हज़ारों कर्मचारी काम करते हैं और प्रतिदिन लाखों ग्राहक आते हैं; बिना पानी के ऐसी व्यवस्था एक दिन भी नहीं चल सकती। शौचालय, सफाई, भोजनालय, अग्निशमन प्रणाली, सब कुछ जल आपूर्ति पर निर्भर हैं। जब टैंकरों की आपूर्ति रुकी, तो केवल व्यापार ही नहीं, आसपास के आवासीय समाज भी संकट में पड़ गए। दिल्ली सरकार ने कुछ वर्ष पहले भूजल दोहन पर सख्त प्रतिबंध लगाया था। उद्देश्य यह था कि गिरते जलस्तर को रोका जाए। यह पहल पर्यावरणीय दृष्टि से आवश्यक था, क्योंकि लगातार बढ़ते दोहन ने दिल्ली के अधिकांश क्षेत्रों में भूजल को 300 फीट से भी अधिक नीचे पहुँचा दिया था। लेकिन सवाल यह है कि क्या पहले वैकल्पिक व्यवस्था पर्याप्त रूप से विकसित की गई?

जब सरकार ने ग्राउंड वॉटर बोरिंग को गैरकानूनी घोषित किया, तब उसके समानांतर रूप में मजबूत टैंकर नेटवर्क, पुनर्चक्रण संयंत्र और रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम विकसित करने चाहिए थे। दुर्भाग्यवश, नीतियाँ बनीं पर उनका कार्यान्वयन अधूरा रह गया। परिणामस्वरूप, लोग न तो कानूनी तरीके से पानी निकाल सकते हैं, न सरकारी वितरण पर भरोसा कर सकते हैं। सोचने वाली बात यह है कि यदि जाड़ों में यह हाल है तो गर्मियों में क्या होगा?

दिल्ली ही नहीं, बल्कि पूरे देश में पानी की आपूर्ति से जुड़ा टैंकर कारोबार वर्षों से विवादों में रहा है। कई जगह यह सार्वजनिक सेवा से अधिक निजी व्यवसाय बन चुका है। अधिकारियों और टैंकर ठेकेदारों के बीच मिलीभगत के आरोप नए नहीं हैं। दिल्ली में जल आपूर्ति में आई यह हालिया बाधा भी ऐसे ही भ्रष्टाचार की परतें उजागर करती प्रतीत होती है। त्योहारों के मौसम में जब पानी की मांग बढ़ जाती है, घरों में सजावट, साफ–सफाई और उत्सव आयोजन अधिक होते हैं।

पहली बार में ही हेमा मालिनी की खूबसूरती पर मोहित हो गई थी सायरा बानो

भारतीय सिनेमा की सफल और अपने जमाने में हीरो से भी ज्यादा फीस लेने वाली अदाकारा हेमा मालिनी आज अपना 77वां जन्मदिन सेलिब्रेट कर रही हैं। सोशल मीडिया पर हर कोई उन्हें बधाई दे रहा है। लेजेंड्री अदाकारा सायरा बानो ने अब हेमा मालिनी के लिए दिल खोलकर लंबा–चौड़ा पोस्ट सोशल मीडिया पर शेयर किया है और उन्हें दिल से दुआ दी है। सायरा बानो ने सोशल मीडिया पर अपनी, हेमा मालिनी और दिलीप कुमार की पुरानी फोटो शेयर की है, और उन्होंने अपनी और हेमा मालिनी की पहली मुलाकात का किस्सा भी सुनाया है। उन्होंने बताया कि पहली बार जब उन्होंने हेमा मालिनी को देखा था, तो, वो उनकी खूबसूरती, चेहरे के शांत भाव और ग्रेस पर मोहित हो गई थीं। सायरा बानो ने कैप्शन में लिखा, हमारी पहली मुलाकात 1966 में आरके स्टूडियो में 'दीवाना' के सेट पर हुई थी। मुझे आज भी याद है कि मैं कैसे उनके शांत स्वभाव, सुंदरता और ग्रेस पर मोहित हो गई थी। जिसके बाद हम सुरम्य कृष्ण राज सागर बांध पर शूटिंग के दौरान फिर मिले, जहां उनकी मां और हमारी मां और हम दोनों शूटिंग के बाद बैठकर घंटों बातें करते थे और हंसी मजाक करते थे। सायरा बानो ने बालों में गोबान लगाने वाला किस्सा भी सोशल मीडिया पर शेयर किया और बताया कि अम्मा हेमा के बालों में प्यारी खुशबू के लिए गोबान लगती थी और हम दोनों ही इस बात पर हंसते थे। एक्ट्रेस के पोस्ट से साफ है कि उनकी और हेमा मालिनी की दोस्ती काफी पुरानी और प्यारी है। बता दें कि सायरा बानो हाल ही के दिनों में हेमा से मिलने के लिए उनके घर पहुंची थी और पुरानी यादों को ताजा किया था।

विश्व जूनियर चैंपियनशिप : तन्वी शर्मा 17 साल में पदक पक्का करने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनीं

गुवाहाटी ,तन्वी शर्मा 17 साल में 2025 बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर चैंपियनशिप में पदक पक्का करने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बन गईं। उन्होंने नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में जापान की साकी मात्सुमोतो को हराकर लड़कियों के एकल सेमीफाइनल में प्रवेश किया। 16 वर्षीय तन्वी ने दबाव में भी अपना संयम बनाए रखा और अपने क्रॉस–कोर्ट स्लाइस हिट्स से विजयी गोल दागे और 47 मिनट तक चले क्वार्टर फाइनल मुकाबले में मात्सुमोतो को 13–15, 15–9, 15–10 से हराया। इस क्वार्टर फाइनल ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। विश्व जूनियर पदक जीतने वाली आखिरी भारतीय महिला खिलाड़ी साइना नेहवाल थीं, जिन्होंने 2008 में पुणे में हुए टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीता था। साइना, जिन्होंने 2006 में रजत पदक जीता था, और अपर्णा पोपट (1996 रजत) प्रतियोगिता के इतिहास में पोडियम पर पहुंचने वाली एकमात्र अन्य भारतीय महिला खिलाड़ी हैं। शीर्ष वरीयता प्राप्त तन्वी, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में बैडमिंटन एशिया

जूनियर चैंपियनशिप में कांस्य पदक भी जीता था, ने आक्रामक शुरुआत की और ऐसा लग रहा था कि वह नियंत्रण में हैं क्योंकि उन्होंने 10–6 की बढ़त बना ली थी। लेकिन गलतियों की झड़ी ने मात्सुमोतो को वापसी करने का मौका दिया और जापानी खिलाड़ी ने लगातार सात अंक जीतकर बढ़त बना ली। भारतीय खिलाड़ी ने बढ़त तो बना ली, लेकिन गेम हारने से नहीं बच सकीं।

यूएस ओपन की फाइनलिस्ट दूसरे गेम में अपने शॉट चयन को लेकर ज्यादा सहज थीं और उन्होंने 15–9 से जीत हासिल की। हालांकि, तीसरे गेम की शुरुआत में गलतियों ने उन्हें एक बार फिर पीछे धकेल दिया और उन्हें मुकाबला गंवाना पड़ा। तन्वी का अगला मुकाबला चीन की लियू सी या से होगा। चीनी खिलाड़ी ने दूसरे क्वार्टर फाइनल में श्रीलंका की रानीथमा लियानागे को 15–9, 15–6 से हराया।

श्रिया पिलगांवकर बनीं ऑल लिविंग थिंग्स एनवायर्नमेंटल फिल्म फेस्टिवल की जूरी सदस्य

पर्यावरण और सिनेमा के संगम का जश्न मनाने वाला ऑल लिविंग थिंग्स एनवायर्नमेंटल फिल्म फेस्टिवल इस साल अपने छठे संस्करण के साथ लौट रहा है। 4 दिसंबर से शुरू हो रहे इस 11 दिवसीय फिल्म फेस्टिवल में दुनियाभर की फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा जो पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन, संरक्षण और टिकाऊ जीवन जैसे महत्वपूर्ण विषयों को उजागर करेंगी। इस साल फेस्टिवल की शुरुआत मुंबई से होगी और 14 दिसंबर को इसका समापन होगा। खास बात यह है कि इस बार अभिनेत्री श्रिया पिलगांवकर और अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त फिल्म निर्देशक पान नलिन को फेस्टिवल की जूरी में शामिल किया गया है। जूरी सदस्य के रूप में अपनी भूमिका को लेकर श्रिया पिलगांवकर ने खुशी जताई और आईएएनएस से बात करते हुए कहा, फेस्टिवल का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास है।

दूसरी ही फिल्म से लगा खलनायिका का टैग

बॉलीवुड सिनेमा के 70 के दशक में एक ऐसी वैम्प अदाकारा थी, जिनको लेकर जिज्ञासा सेट पर लोगों में लीड रोल करने वाली एक्ट्रेसेस से ज्यादा होती है। हम बात कर रहे हैं फिल्म इंडस्ट्री की मोना डार्लिंग यानी बिंदू देसाई की। उन्होंने कभी पर्दे पर लड़ाकू सास बनकर बहूओं की नाक में दम किया तो कभी गैंगस्टर की गर्लफ्रेंड बनकर भी सिनेमा के पर्दे पर राज किया, लेकिन क्या आप जानते हैं कि बिंदू को पहली फिल्म से नहीं बल्कि दूसरी फिल्म से सफलता हासिल हुई? बिंदू देसाई के पिता नानूभाई देसाई चाहते थे कि वो डॉक्टर या इंजीनियर बने, लेकिन बिंदू को सिनेमा से लगाव था और वो बहुत खूबसूरत भी थी।

शॉटगन शूटिंग : जोरावर संधू ने एथेंस विश्व चैंपियनशिप में पुरुषों की ट्रैप स्पर्धा का कांस्य पदक जीता

नई दिल्ली , जोरावर सिंह संधू ने 48 साल की उम्र में अंतर्राष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) विश्व चैंपियनशिप शॉटगन 2025 में पुरुषों की ट्रैप स्पर्धा का कांस्य पदक जीता। संधू ने ये खिताब अपना पहला सीनियर विश्व खिताब जीतने के 27 साल बाद जीता है। शुक्रवार को ग्रीस के एथेंस स्थित मलाकासा शूटिंग रेंज में निशानेबाजी करते हुए भारतीय निशानेबाज ने बारिश, परछाई और सबसे अनुपयुक्त बिब नंबर को पार करते हुए 50 शॉट के फाइनल में पहले 40 में से 31 निशाने साधे। वह पूर्व ओलंपिक चैंपियन और अब विश्व चैंपियन ओएशिया के जोसिप ग्लासनोविक (जिन्होंने 44 हिट के साथ स्वर्ण पदक जीता) और जूनियर विश्व चैंपियन स्पेन के एंड्रेस गार्सिया (जिन्होंने 39 का स्कोर के साथ रजत पदक जीता) से पीछे रहे। मुकाबले के बाद जोरावर संधू ने कहा, यह एक शानदार अनुभव था। शूटिंग के लिए यह एक कठिन रेंज और कठिन परिस्थितियां थीं, लेकिन इसी वजह से हम यहां हैं। मैं अपने परिवार, अपने कोचों और टीम के साथियों को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) के अध्यक्ष, कलिकेश नारायण सिंह देव ने परिणाम आने के बाद कहा, यह भारतीय निशानेबाजी के लिए एक और ऐतिहासिक क्षण है, जिसमें जोरावर ने हमें ट्रैप में केवल दूसरा व्यक्तिगत विश्व चैंपियनशिप पदक जीतने में मदद की। यह हमारी निशानेबाजी टीम के आत्मविश्वास के स्तर को दर्शाता है कि हर अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन के साथ, नई बाधाओं को पार किया जा रहा है। जोरावर को उनकी प्रतिबद्धता और समर्पण के लिए पूरे अंक, और पीटर विल्सन और पूरे कोचिंग स्टाफ को भी, जिन्होंने आने के बाद से, हमारी ट्रैप टीम को बेहतर से बेहतर बनाने में मदद की है।

संक्षिप्त समाचार

सेंट थेरेसा ने जीती पीटर मेमोरियल क्रिकेट प्रतियोगिता

चमोली। क्राइस्ट एकेडमी कोठियालसैंण गोपेश्वर की ओर से आयोजित 21वीं पीटर मेमोरियल क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मैच सेंट थेरेसा श्रीनगर की टीम ने जीता। उन्होंने फाइनल में ज्योति विद्यालय ज्योतिर्मठ को हराकर खिताब अपने नाम किया। खेल मैदान गोपेश्वर में क्राइस्ट एकेडमी की ओर से आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता में तीन टीमों ने प्रतिभाग किया। इसमें क्राइस्ट एकेडमी गोपेश्वर, ज्योति विद्यालय ज्योतिर्मठ और सेंट थेरेसा श्रीनगर की टीमों ने प्रतिभाग किया। लीग के आधार पर खेले गए मैचों में अंकों के आधार पर सेंट थेरेसा श्रीनगर और ज्योति विद्यालय ज्योतिर्मठ के बीच रविवार को फाइनल मैच खेला गया। बल्लेबाजी करते हुए सेंट थेरेसा की टीम ने 15 ओवर में 134 रन बनाए। जवाब में ज्योति विद्यालय की टीम 15 ओवर में 100 रन ही बना पाई और इस तरह सेंट थेरेसा ने 34 रनों से मैच जीत लिया। प्रभारी जिला क्रीड़ा अधिकारी रश्मि बिष्ट ने विजेता व उपविजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान की। मैन ऑफ द मैच और मैन ऑफ द सीरीज का खिताब सेंट थेरेसा श्रीनगर के विवेक असवाल को दिया गया। अंपायरिंग मयंक रावत और अमन गड़िया ने की। इस दौरान ज्योति विद्यालय ज्योतिर्मठ के मैनेजर फादर जिंटो एन्टू, सेंट थेरेसा श्रीनगर के फादर जॉनसन, आयोजक विद्यालय के मैनेजर फादर जीजोमॉन के प्रधानाचार्य सिस्टर रोजमैरी, सिस्टर सैनी मरिया, नवीन कुंवर, राजबर रावत, रविकांत कुंवर, यशवंत सिंह, भारत भूषण बिजल्वाण, दिव्या सती और संगीता बिष्ट आदि मौजूद रहे।

मेहलचौंरी में जलापूर्ति हुई बहाल, लोगों को मिली राहत

चमोली। तहसील के मेहलचौंरी मल्ली कस्बे में पेयजल आपूर्ति बहाल हो गई है। शनिवार देर रात से यहां पानी आना शुरू हो गया। पानी सुचारु होने पर लोगों ने राहत की सांस ली। मेहलचौंरी मल्ली में एक सप्ताह से पेयजल किल्लत बनी हुई थी। इस कस्बे के लिए पेयजल आपूर्ति करने वाली झिरकोटी पेयजल योजना की लाइन क्षतिग्रस्त थी लेकिन जंगल होने की वजह से और भालू की दहशत से लोग और श्रमिक ठीक करने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे थे। बाद में विभाग ने समूह में श्रमिकों को पेयजल योजना को ठीक करने के लिए भेजा जिसके बाद शनिवार देर रात से पानी की आपूर्ति सुचारु हो पाई। पूर्व व्यापार संघ अध्यक्ष मंगल सिंह और बलवीर मेहरा ने कहा कि पेयजल आपूर्ति होने पर लोगों ने राहत की सांस ली है। विभागीय लापरवाही का खामियाजा जनता को उठाना पड़ा। वहीं जल संस्थान के अभियंता अभिषेक कपटियाल ने कहा कि पेयजल योजना की मरम्मत कर दी गई है। अब मेहलचौंरी में पानी की आपूर्ति सुचारु है। विभाग सुचारु जलापूर्ति के लिए प्रयासरत है।

शिक्षकों ने की विभागीय पदोन्नति परीक्षा कराने की मांग

चमोली। जिले के इंटर कॉलेजों और हाईस्कूलों के शिक्षकों ने विभागीय पदोन्नति परीक्षा कराने की मांग की। शिक्षकों ने कहा कि इससे दुर्गम विद्यालयों में लंबे समय तक प्रधानाचार्य मिल सकेंगे। सीमित विभागीय प्रधानाचार्य परीक्षा समर्थक मंच के प्रदेश महामंत्री डॉ. कमलेश मिश्र ने कहा कि वर्तमान में राज्य में 1385 में से लगभग 1200 प्रधानाचार्य के पद रिक्त हैं। साथ ही हाईस्कूल प्रधानाध्यापक के 910 में से 830 से अधिक पद खाली हैं। हाईस्कूल के प्रधानाध्यापक ही पदोन्नति के बाद प्रधानाचार्य बनते हैं और प्रधानाचार्य बनने के लिए उन्हें 5 वर्ष की सेवा प्रधानाध्यापक के पद पर देनी होती है। ऐसे में यदि 830 पदों को भर भी दिया जाए तब भी 5 साल बाद ही इंटर कॉलेजों को प्रधानाचार्य ही मिल पाएंगे। ऐसे में इंटर कॉलेजों में प्रधानाचार्य के पदों को भरना संभव नहीं है जिसके चलते विभागीय भर्ती परीक्षा जरूरी है।

शिक्षकों ने धराली आपदा प्रभावितों के सहयोग के लिए बढ़ाए हाथ

उत्तरकाशी। उत्तरांचल स्टेट प्राइमरी टीचर्स एसोसिएशन की ओर धराली आपदा में प्रभावित छह परिवारों को आर्थिक सहायता धनराशि दी गई। वहीं धराली आपदा में भटवाड़ी विकासखंड के तीन गांव के तीन मृतकों के आश्रितों को भी सहयोग धनराशि दी गई। शिक्षकों ने कहा कि भविष्य में भी आपदा प्रभावितों की संगठन की ओर से हर संभव मदद की जाएगी। एसोसिएशन के ब्लॉक अध्यक्ष यशपाल राणा के नेतृत्व में विकासखंड के 200 शिक्षकों ने आपदा प्रभावित धराली गांव के ग्रामीणों की मदद के लिए करीब एक लाख 25 हजार की धनराशि एकत्रित की गई। गंगोत्री धाम मंदिर समिति धर्मशाला में शिक्षकों ने धराली आपदा प्रभावित छह परिवारों को प्रति परिवार 25 हजार की धनराशि सहयोग के रूप में दी।

दीपावली पर महंगाई के पटाखे, तीस प्रतिशत तक बढ़े दाम

गत वर्ष के मुकाबले इस वर्ष महंगे हुए पटाखे

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः दीपावली त्योहार को लेकर लोगों में उत्साह बना हुआ है। लेकिन, इस वर्ष दीपावली पर पटाखों के दामों में तीस प्रतिशत तक बढ़ोत्तरी हो गई है। ऐसे में पटाखा खरीदने के लिए लोगों को अपनी जेब ढीली करनी पड़ेगी। जबकि, शहर में प्रतिवर्ष पटाखों का करोड़ों का व्यापार होता है।

गढ़वाल का प्रवेश द्वार कोटद्वार दीपावली के उत्साह को लेकर तैयार हो चुका है। इस वर्ष प्रशासन ने नजीबाबाद रोड और देवी मंदिर में पटाखा बाजार सजाया हुआ है। बाजार में पटाखों की अलग-अलग वैरायटी उपलब्ध है। लेकिन, पटाखों की खरीदारी करने के लिए

पटाखा वर्ष 2024 में	वर्ष 2025 में
राकेट 250 पैकेट	300 पैकेट
फुलझड़ी 110रुपये दस पीस	150 रुपये दस पीस
चरखड़ी 120रुपये दस पीस	150 रुपये दस पीस
अनार 80 रुपये दस पीस	150 रुपये दस पीस
रस्सी बम 100 रुपये दस पीस	150 रुपये दस पीस
बच्चों की बंदूक पचास रुपये	80 रुपये

कोटद्वार में सजी पटाखों की दुकान

आमजन को अपनी जेब ढीली करनी पड़ेगी। सभी पटाखों के दामों में बीस से तीस फीसद तक बढ़ोत्तरी हुई है। इतना ही नहीं, पटाखे की दुकान सजाने के लिए सिस्टम को सुविधा शुल्क भी देना पड़ रहा है। सिस्टम को दिए जाने वाले सुविधा शुल्क की भरपाई भी ग्राहक की जेब से करना व्यापारी की मजबूरी है। पटाखा विक्रेता दीपक कुमार, मुन्ना सिंह ने बताया कि पटाखों की कीमतों में पिछले वर्ष के मुकाबले थोड़ा बढ़ोत्तरी हुई है। हालांकि, आमजन पूर्व की अपेक्षा कम ही पटाखे ले रहा है।

रोडवेज की बस से टकराई कार, दो घायल

कोटद्वार-नजीबाबाद के मध्य दुर्घटनाग्रस्त हुई कार

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः कोटद्वार-नजीबाबाद के मध्य जाफरा के समीप एक कार व रोडवेज बस की भिड़ंत हो गई। दुर्घटना में कार सवार दो लोग घायल हो गए। दोनों को उपचार के लिए राजकीय बेस चिकित्सालय कोटद्वार पहुंचाया गया। हालांकि, रोडवेज में सवार किसी भी व्यक्ति को चोट नहीं आई।

रविवार को चौबट्टाखाल स्थित संदणा दोलधार निवासी जितेंद्र सिंह उम्र 36 वर्ष पुत्र वीर सिंह कार बुक करवाकर कोटद्वार आ रहा था, कार को दिल्ली स्थित आदर्श नगर निवासी गगन उम्र 23 वर्ष पुत्र भानुप्रताप चला रहा था। जैसे की कार कौडिया के निकट पहुंची तभी कोटद्वार से सवारी लेकर दिल्ली जा रही रोडवेज की बस से कार की भीषण टक्कर हो गई। जिससे कार चालक गगन व वीर सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर रोडवेज के अधिकारी मौकै पर पहुंचे, उन्होंने दोनो घायलों को कार से बाहर निकालकर राजकीय बेस चिकित्सालय पहुंचाया, जहां पर वीर सिंह को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया, जबकि गंभीर रूप से घायल कार चालक गगन को हायर सेंटर रेफर कर दिया।

दीपावली को लेकर व्यवस्थाओं को बनाया बेहतर

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः दीपावली पर्व को लेकर विभागों ने सभी व्यवस्थाएं चाकचौबंद करने का दावा किया है। अग्निशमन विभाग ने मुख्यालय पौड़ी में तीन दमकल वाहन और 45 कार्मिकों की टीम तैनात की है। विद्युत विभाग व जल संस्थान ने आपूर्ति सुचारु रखने व विपरीत परिस्थितयों से निपटने के लिए सभी व्यवस्थाएं जुटा ली हैं। जिला मुख्यालय पौड़ी में दीपावली पर्व में सभी आवश्यक व्यवस्था दुरुस्त रहे, इसके लिए विभागों ने समुचित तैयारियों को अंतिम रुप दे दिया है। अग्निशमन विभाग ने दीपावली के पर्व पर आगजनी की घटना से निपटने के लिए दमकल वाहन तैनात कर लिए हैं। जबकि कार्मिकों को आवश्यक दिशा–निर्देश दे दिए हैं। प्रभारी अग्निशमन अधिकारी पौड़ी भूपेश त्यागी ने बताया कि दीपावली पर्व पर सुरक्षा की दृष्टि से एसएसपी कार्यालय, एजेंसी चौक व रामलीला मैदान में तीन दमकल वाहन तैनात किए हैं। जिनमें 45 कार्मिक ड्यूटी पर हैं। बताया कि किसी प्रकार की कोई आगजनी की घटना ना हो, इसके लिए लोगों को जागरुक किया जा रहा है। पटाखों की दुकान लगाने वालो में आवश्यक सुरक्षा उपकरण रखे जाने को लेकर कड़े दिशा–निर्देश दिए गए हैं। वहीं, विद्युत विभाग पौड़ी के अधिशासी अभियंता अभिनव रावत ने बताया कि मुख्यालय पौड़ी सहित पूरे क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति सुचारु रहे इसके लिए समुचित व्यवस्थाएं चाकचौबंद कर ली गई हैं। बुआखाल, कोट सहित अन्य क्षेत्रों में एसडीओ, जेई सहित कार्मिकों की तैनात की गई है। जो हर विपरीत परिस्थिति में व्यवस्था को सुचारु बनाए रखेंगे। वहीं जल संस्थान पौड़ी के सहायक अभियंता अंकित चमोली ने बताया कि मुख्यालय पौड़ी में तीन फायर हाईड्रेंट व दो टेंकर तैनात हैं। बताया कि पर्व के मौके पर पेयजल आपूर्ति को लेकर किसी तरह की कोई परेशानी ना हो, इसका विशेष रुप से ध्यान रखा गया है।

बच्चों ने बनाई मनमोहक रंगोली

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः जानकी नगर स्थित हेमनदास सरस्वती शिशु मंदिर में दीपावली पर्व पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों ने दीपावली से संबधित कविता व प्रेरक प्रसंग सुनाए, जिसमें बच्चों की रंगोली मुख्य आकर्षण का केंद्र रही।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य प्रदीप नौटियाल ने किया। सर्वप्रथम बच्चों ने मेरे राम आएंगे.... मंगलहारी सहित विभिन्न प्रकार के भजनों की प्रस्तुति दी। बच्चों ने दीपावली से संबधित कविता व प्रेरण प्रंसग भी सुनाए। तत्पश्चात बच्चों ने आकर्षक रंगोली बनाई गई, जिन्हें दीपों से सजाया गया। विद्यालय के शिक्षकों ने बच्चों को दीपावली मनाए जाने को लेकर विस्तृत जानकारी दी। इस मौके पर अंचल कुमार अग्रवाल, प्रयाग दत्त चमोली, योगेश नेगी, गीता रावत, सुनीता पंत, श्रेया चौधरी, अंजू चमोला, पूजा चतर्वेदी, हेमा पांडे मौजूद रहे।

एसजीआरआर ने जीता क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः बलूनी पब्लिक स्कूल में आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला एसजीआरआर के नाम रहा। प्रतियोगिता में दस से अधिक विद्यालयों ने प्रतिभाग किया था। इस दौरान टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया।

स्व.राजेश भारद्वाज की स्मृति में अंतर विद्यालय क्रिकेट टूर्नामेंट प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया था। शनिवार को प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला एसजीआरआर व सेंट जोसेफ कावेंट स्कूल के बीच खेला गया। दोनों ही टीमों ने बेहतर प्रदर्शन किया। लेकिन, अंत में सेंट जोसफ कान्वेट स्कूल दो रन से हार गया। प्रतियोगिता के उपरांत मुख्य अतिथि शैलेंद्र मोहन बिष्ट, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष नागेंद्र जोशी, दीपेंद्र ध्यानी, अमित सजवाण सहित अन्य लोगों ने खिलाड़ियों को सम्मानित किया। साथ ही विद्यार्थियों को

कोटद्वार के बलूनी स्कूल में विजेता टीम को सम्मानित करते अतिथि

पढ़ाई के साथ खेल के क्षेत्र में भी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता में मैन आफ द सीरीज का खिताब लक्की भट्ट को दिया गया। बेस्ट फिल्डर का खिताब एसजीआरआर पदमपुर के खिलाड़ी वंशु रावत को मिला। बलूनी पब्लिक स्कूल क खिलाड़ी अभिषेक नेगी व ध्रुव को बेस्ट बालर का खिलाब मिला। इस मौके पर बलूनी पब्लिक स्कूल की संरक्षिका अभिलाषा भारद्वाज, शशि भूषण अमोली, मनोज माधवल आदि मौजूद रहे।

प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाया हुनर

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः कोट ब्लॉक की ब्लॉक स्तरीय विज्ञान महोत्सव का आयोजन राइंका खोलाचौरी में किया गया। महोत्सव में ब्लॉक के जूनियर और सीनियर वर्ग की विज्ञान ड्रामा व विज्ञान प्रदर्शनी में 19 स्कूलों के कुल 53 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। जूनियर वर्ग में कक्षा 6 से कक्षा 8 और सीनियर वर्ग में कक्षा 9 से कक्षा 12 तक के छात्र छात्राओं ने हिस्सा लिया। स्कूल परिसर में आयोजित जूनियर वर्ग के विज्ञान ड्रामा सभी के लिए स्वच्छता विषय पर राजकीय कन्या पूर्व माध्यमिक विद्यालय देवार की टीम ने पहला स्थान हासिल किया। विज्ञान महोत्सव के विज्ञान प्रदर्शनी का मुख्य विषय विकसित और आत्म निर्भर भारत के लिए एसटीईएम के तहत उपविषय सतत कृषि में जूनियर वर्ग की विज्ञान प्रदर्शनी में राजा ने पहला, समर ने दूसरा स्थान हासिल किया। हरित ऊर्जा उपविषय में दीपांशु डबराल ने पहला, अंकुश बेलवाल ने दूसरा स्थान पाया। मनोरंजक गणितीय मॉडल में सुरेंद्र ने पहला स्थान पाया।

उपविषय स्वास्थ्य और स्वच्छता में विदुषी डिमरी पहले, गणेश बिष्ट दूसरे व अनुष्का चौहान तीसरे, जल संरक्षण और प्रबंधन उप विषय में केशव गैरोला ने पहला, अंशुमन ने दूसरा स्थान पाया। सीनियर वर्ग विज्ञान प्रदर्शनी के उप विषय सतत कृषि में दिव्यांशु रावत ने पहला, इशिका ने दूसरा व मंजीत ने तीसरा स्थान हासिल किया।

उप विषय अपशिष्ट प्रबंधन और प्लास्टिक के विकल्प में प्रियांशु डबराल पहले, महेश कुमार दूसरे व सुहानी तीसरे स्थान पर रहे। उभरती प्रौद्योगिकी उपविषय में अंश बलूनी पहले, शुभम कुमार दूसरे व आयुष रावत ने तीसर स्थान हासिल किया। उप विषय जल संरक्षण प्रबंधन में आर्यन गुसांई ने पहला, रॉबिन ने दूसरा स्थान हासिल किया। इससे पूर्व विज्ञान महोत्सव का उद्घाटन शिक्षक अभिभावक संघ के अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह नेगी ने किया। उन्होंने महोत्सव के आयोजन को छात्र छात्राओं हेतु महत्वपूर्ण बताया, कहा कि छात्र छात्राओं में वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देना उन्हें बाल वैज्ञानिकों से परिपक्व वैज्ञानिक बनाने में मदद करती है। उन्होंने छात्र-छात्राओं द्वारा निर्मित स्थिर और कार्यकारी मॉडलों की सराहना की। इस मौके पर स्कूल के प्रधानाचार्य सुरेश आर्य, ब्लॉक समंवयक रश्मि सेमवाल, निर्णायक आरती गुसाईं, वंदना ध्यानी, राकेश ध्यानी, अरविंद असवाल, लोकेश रावत, नवीन सिंह, रेवत तड़ियाल, अजय कर्नाटक, आशा राणा आदि शामिल रहे।

गजा इलेवन टीम के नाम रहा चमियाला प्रीमियर लीग का खिताब

नई टिहरी। चमियाला प्रीमियर लीग का खिताब गजा इलेवन टीम के नाम रहा। विजेता टीम को नकद इनाम के साथ ट्रॉफी और खिलाड़ियों को मेडल देकर सम्मानित किया गया। टूर्नामेंट में कुल 20 टीमों ने प्रतिभाग किया था। रविवार को फाइनल मुकाबला गजा इलेवन और मां भगवती क्लब चमियाला के बीच खेला गया। गजा ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 15 ओवर में 147 रन बनाए। 148 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए चमियाला की टीम ने निर्धारित ओवर में महज 119 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। गजा की टीम ने 28 रनों से मैच और खिताब जीत लिया।समापन पर मुख्य अतिथि नगर पंचायत अध्यक्ष गोविंद सिंह राणा, ज्येष्ठ उप प्रमुख प्यार सिंह बिष्ट ने विजेता टीम को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया।

विद्यार्थियों की प्रस्तुति ने दर्शकों को मोहा

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः शिक्षा विभाग के समग्र शिक्षा के तहत आयोजित जिला स्तरीय कला उत्सव में जिले के विभिन्न स्कूलों के छात्र–छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। इस दौरान छात्र–छात्राओं ने गायन, नृत्य, नाटक आदि विधाओं की सतरंगी छटा प्रस्तुत की। जीआईसी पौड़ी के सभागार में आयोजित जिला स्तरीय कला उत्सव का उद्घाटन विधायक राजकुमार पोरी ने किया। उन्होंने छात्र छात्राओं के बीच इस प्रकार के कार्यक्रमों को छात्रों के विकास के लिए जरूरी बताया। कला उत्सव के तहत एकल नृत्य (शास्त्रीय) में सेंट थॉमस कांवेंट स्कूल की पावनी बहुगुणा, समूह नृत्य (लोकनृत्य) में राइंका पौड़ीनगर के हर्षित, आरजू, पूनम व सुप्रिया की टीम जबकि समूह गायन में राइंका श्रीनगर के उर्वशी व टीम के साथ ही वादन समूह में राइंका मुंडनेश्वर प्रथम रहे। एकल गायन व संगीत वादन में राजीव गांधी नवोदय विद्यालय संतूधार के आयुष बडोनी व आंचल ने पहला स्थान पाया। संगीत वाद्य (ताल वाद्य) में राइंका चिपलघाट के अंशुल रावत, दृश्य कला (खेल खिलौने स्थानीय) में राजीव गांधी नवोदय विद्यालय संतुधार की अनन्या जोशी, दृश्य कला (द्विआयामी) में राइंका पौड़ी की कविता, दृश्य कला (त्रिआयामी) में राउमावि उफल्डा के अभिजीत ने प्रथम स्थान पाया। कहानी वाचन में जीजीआईसी श्रीनगर की हिमांशी व सानिया जबकि नाटक में राकंउमावि ल्वाली की प्रियांशी, साक्षी, सुहाना व सोनाली की टीम ने बाजी मारी। इस मौके पर प्रभारी सीईओ नागेंद्र बर्त्वाल, डीईओ माध्यमिक रणजीत सिंह, बीईओ पौड़ी मास्टर आदर्श, प्रधानाचार्य भातखंडे संगीत महाविद्यालय अनिल बिष्ट, जिला समंवयक गरिमा व्यास आदि शामिल रहे।

अनुराग कंडवाल बने नन्हीं दुनिया भावी राष्ट्र के अध्यक्ष

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के छात्रसंघ महासचिव अनुराग कंडवाल को नन्हीं दुनिया भावी राष्ट्री का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस दौरान सदस्यों ने समाज सेवा का संकल्प लिया। पदामपुर मोटाढांक में बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्कृत भारती के मंडल अध्यक्ष डा. रमाकांत कुकरेती ने किया। सर्वप्रथम निर्वतमान अध्यक्ष सुदंरलाल जोशी ने अपने कार्यकाल की उपलब्धियों को सार्वजनिक किया। तत्पश्चात साहित्यांचल के पूर्व अध्यक्ष व गेप्स के संरक्षक डा. चंद्रमोहन बड़थ्वाल ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष अनुराग कंडवाल को अध्यक्ष पद की शपथ दिलावाई। संस्था से जुड़े सभी पदाधिकारियों व सदस्यों ने अनुराग कंडवाल से बेहतर कार्य करने की अपेक्षा की है। कहा कि वे भटकते हुए युवा वर्ग को नव सृजन के लिए प्रेरित करेंगे।

बदरीनाथ और केदारनाथ धाम में भव्य दीपोत्सव का आयोजन

– बदरीनाथ धाम में 12,000 दीप प्रज्वलित, माता लक्ष्मी को करेंगे 56 भोग अर्पित

चमोली। दीपावली के पावन अवसर पर इस बार बदरीनाथ और केदारनाथ धाम में भव्य दीपोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। पहली बार बदरीनाथ धाम में 12,000 दीप प्रज्वलित किए जाएंगे और माता लक्ष्मी को 56 भोग अर्पित किया जाएगा। बदरीनाथ–केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने बताया कि दीपोत्सव कार्यक्रम 20 अक्टूबर से 23 अक्टूबर तक चलेगा, जिसका आयोजन बीकेटीसी तीर्थ पुरोहितों, हक–हकूकधारियों एवं बदरीनाथ होटल एसोसिएशन के सहयोग से किया जा रहा है। डिमरी धार्मिक

केंद्रीय पंचायत, भंडारी और कमदी हक–हकूकधारी भी इस आयोजन में भाग लेंगे।

इसी तरह केदारनाथ धाम में भी तीर्थ पुरोहितों और हक–हकूकधारियों के सहयोग से दीपोत्सव आयोजित होगा। दोनों धामों में मंदिर परिसर, मार्गों और आसपास के क्षेत्रों को दीपों से सजाया जाएगा। बीकेटीसी अध्यक्ष द्विवेदी ने बताया कि दीपावली और केदारनाथ धाम के कपाट बंद होने के अवसर पर मंदिरों को 12 क्विंटल फूलों से भव्य रूप से सजाया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि इस यात्रा वर्ष केदारनाथ धाम के कपाट 23 अक्टूबर को बंद हो रहे है। बदरीनाथ और केदारनाथ धाम में दीपावली का पर्व सोमवार को मनाया जाएगा। इस अवसर पर विशेष पूजा–अर्चना, दीप प्रज्वलन और सजावट की जाएगी। साथ ही, सुरक्षा व्यवस्था के भी विशेष निर्देश दिए गए हैं ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

रवांई घाटी के दो गांवों में नहीं मनाई जाती कार्तिक दीपावली

उत्तरकाशी। एक ओर जहां पूरे देशभर में कार्तिक माह की दिवाली धूमधाम से मनाई जाती है वहीं कमल सिराई पट्टी के दो जनजातीय गांव कुफारा और धकाड़ा ऐसे हैं जहां कार्तिक माह की दीपावली नहीं मनाई जाती है। इन दोनों गांवों में दीपावली का पर्व एक माह बाद मार्गशीर्ष में मंगसीर दिवाली के रूप में मनाई जाती है। स्थानीय निवासी राजेंद्र शर्मा, उपेंद्र शर्मा और सोबन शर्मा बताते हैं कि हमारे पूर्वजों से चली आ रही परंपरा के अनुसार दीपावली मार्गशीर्ष में मनाई जाती है। इस दौरान हम अपने इष्ट देवी–देवताओं की पूजा–अर्चना करते हैं और पारंपरिक पोशाक, पकवान, रासो और तांदी गीतों के साथ उत्सव मनाते हैं। वे कहते हैं कि मंगसीर दिवाली की खासियत यह है कि इसमें न तो पटाखे जलाए जाते हैं और न ही खील–बताशे या लक्ष्मी पूजा की जाती है। यह पर्व पूरी तरह हमारी संस्कृति और लोक परंपरा का उत्सव है। इस दिन गांव के लोग अपने इष्ट देवी–देवताओं की पूजा–अर्चना करते हैं।

लखवाड़ बांध प्रभावितों ने समस्याएं हल करने की लगाई गुहार

नई टिहरी। लखवाड़ बांध परियोजना से प्रभावित काश्तकारों और बेरोजगारों ने नैनबाग के बंदरकोट में बैठक कर समस्याओं पर चर्चा की। प्रभावितों ने परिसंपत्तियों का मुआवजा और रोजगार न दिए जाने पर आक्रोश जताया। कहा कि शीघ्र मांगों का निस्तारण न होने पर वे आंदोलन शुरू करेंगे

जिला पंचायत सदस्य जोत सिंह रावत की अध्यक्षता में यमुना पुल के समीप बंदरकोट में संपन्न बैठक में बांध प्रभावित काश्तकारों और बेरोजगार युवाओं ने कहा कि वह लंबे समय परिसंपत्तियों का भुगतान व परियोजना में रोजगार देने की मांग करते आ रहे हैं। लेकिन प्रशासन और बांध निर्माण में लगी कंपनी के अधिकारी उनकी मांगों को अनसुना कर रहे हैं। जिला पंचायत सदस्य रावत ने कहा कि 22 अक्तूबर को बांध प्रभावितों संघर्ष समिति, बेरोजगार युवाओं, काश्तकारों व स्थानीय जनप्रतिनिधियों की सामूहिक बैठक होगी। बैठक में आगे की रणनीति तैयार की जाएगी। सरदार सिंह मल्ल ने कहा कि बांध प्रभावितों को घराट, छानियों, फलदार पेड़, खेत, खलियान सहित अन्य परिसंपत्तियों का पूरा मुआवजा नहीं मिल पाया है। उन्होंने ग्रामीणों से अपनी परिसंपत्तियों की सूची तैयार करने को कहा। ताकि प्रशासन से छूटी परिसंपत्तियों का उचित मुआवजा मांगा जा सके।

गोमुख–तपोवन ट्रैक पर कर्मियों ने एकत्र किया तीन क्विंटल कूड़ा

उत्तरकाशी। गंगोत्री नेशनल पार्क की ओर से गोमुख–तपोवन ट्रैक पर करीब तीन क्विंटल कूड़ा एकत्रित किया गया है। पार्क प्रशासन की ओर से कूड़ा निस्तारण के लिए नगर पंचायत गंगोत्री को दिया गया है। पार्क के कर्मचारियों की ओर से पहले चरण में 220 कट्टे और दूसरे चरण में 160 कट्टों पर कूड़ा एकत्रित कर खच्चरों के माध्यम से गंगोत्री पहुंचाया गया। वन विभाग की ओर से गेट बंद होने से पहले हर वर्ष इस प्रक्रिया का पूरा किया जाता है।

गोमुख–तपोवन ट्रैक सहित उच्च हिमालयी क्षेत्रों में ट्रैकिंग और पर्वतारोहण के दौरान वहां पर किसी प्रकार का कूड़ा कचरा फैलना पूर्णत प्रतिबंध है। इसके साथ ही गंगोत्री नेशनल पार्क के नियमों के तहत ट्रैकर्स को अपना कूड़ा अपने साथ ही वापस लाना होता है लेकिन उसके बाद भी ट्रैकर्स और पर्वतारोही नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं।

हालांकि कई दल अपना कूड़ा अपने साथ ही वापस लाते हैं लेकिन उसके बावजूद उच्च हिमालयी क्षेत्र कूड़े से प्रदूषित हो रहे हैं। गंगोत्री नेशनल पार्क की ओर से गेट बंद होने से पहले गोमुख ट्रैक पर स्वच्छता अभियान चलाया जाता है। पार्क के कनखू बैरियर के इंचार्ज वन दरोगा राजवीर रावत ने बताया कि पहले अक्तूबर के प्रथम सप्ताह में वन विभाग के कर्मचारियों ने चीड़बासा, भोजबासा आदि क्षेत्रों और पूरे ट्रैक पर कूड़ा एकत्रित किया गया।

इस दौरान 220 कट्टे एकत्रित हुए थे। वहीं उसके बाद इस सप्ताह दोबारा यह अभियान चलाया गया। इस दौरान 160 कट्टे कूड़ा एकत्रित किया गया। कूड़े का निस्तारण के लिए गंगोत्री नगर पंचायत को दिया गया है। ट्रैकर्स पर्वतारोहियों को लगातार जागरूक कर रहे हैं कि उच्च हिमालयी क्षेत्रों की स्वच्छता के लिए प्रतिबद्ध रहें।

दीपावली से पहले दून में यातायात व्यवस्था चरमराई

देहरादून। दीपावली से पहले दून में यातायात व्यवस्था चरमराई हुई है। रेंजर ग्राउंड को पुलिस ने फेस्टिवल पार्किंग स्थल घोषित किया था, ताकि बाजार क्षेत्र में जाम की समस्या से राहत मिल सके, लेकिन रविवार को यहां संडे मार्केट लगने से पूरा तंत्र उलझ गया। वाहन पार्क करने की जगह न मिलने से लोगों को सड़कों पर ही वाहन खड़े करने पड़े, जिससे जगह–जगह जाम और अव्यवस्था की स्थिति बन गई। इस पर व्यापारियों ने कड़ी नाराजगी जताते हुए पुलिस की व्यवस्था पर सवाल उठाए। कांग्रेस व्यापार प्रकोष्ठ के व्यापारियों ने इस स्थिति पर तीखी नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि प्रशासन ने दीपावली जैसे बड़े त्योहार पर भी भीड़ और पार्किंग की समस्या को नजरअंदाज कर दिया। महानगर कांग्रेस व्यापार प्रकोष्ठ अध्यक्ष सुनील कुमार बांगा ने कहा कि प्रशासन को पहले ही कई बार लिखित रूप से अवगत कराया गया था कि रेंजर ग्राउंड में त्योहारी सीजन में संडे बाजार नहीं लगाया जाए।

13 सदस्यीय दल ने काला नाग चोटी का किया सफल आरोहण

उत्तरकाशी। पर्यटन विभाग की ओर से चयनित पर्वतारोहियों और भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल के 13 सदस्यीय दल ने बंदरपूंछ पर्वत शृंखला की सबसे ऊंची चोटी काला नाग का सफल आरोहण किया है। दल ने बीते 12 अक्तूबर की सुबह समुद्रतल से करीब 6378 मीटर ऊंची चोटी का सफल आरोहण किया। यह काला नाग चोटी का इस वर्ष का दूसरा सफल आरोहण है।

विश्व पर्यटन दिवस पर उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद की ओर से 17 सदस्यीय दल को जनपद की काला नाग चोटी के आरोहण के लिए हरी झंडी देकर रवाना किया गया था। दल में प्रदेश के सभी जनपदों से 12 पर्वतारोहियों का चयन किया गया था। इसमें चार लोग उत्तरकाशी के भी शामिल थे। वहीं पांच जवान आईटीबीपी के भी शामिल थे। दल ने अक्तूबर प्रथम सप्ताह में काला नाग चोटी के आरोहण के लिए अभियान शुरू किया। इस दौरान ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी और बर्फीले तूफान के बीच दल ने अपने साहस का परिचय देते हुए काला नाग चोटी का सफल आरोहण किया। 17 सदस्यीय दल में से 13 सदस्यों ने 12 अक्तूबर की सुबह करीब सात से आठ बजे के बीच चोटी का सफल आरोहण कर वहां पर तिरंगा फहराया। उसके बाद दल सकुशल लौट आया है। पर्यटन विभाग की ओर से साहसिक खेलों और पर्वतारोहण को बढ़ावा देने के लिए अभियान का आयोजन किया गया था। काला नाग चोटी यमुनोत्री धाम, मोरी से हिमाचल प्रदेश चल फैली बंदरपूंछ पर्वत शृंखला की सबसे ऊंची चोटी है। वहीं यह गोविंद पशु वन्य जीव विहार के क्षेत्र के तहत आता है। चोटी का सफल आरोहण करने वालों में संजय, मुनेंद्र राणा, संगीता दानू, पंकज, सुमित, चंदन, किरन, आशीष नेगी और आईटीबीपी के सनोद नेगी, पवन राणा, भूपेंद्र, विनय डिमरी, विकास मौजूद रहे।

बाजारों में भीड़, जमकर हुई खरीदारी

चमोली। रविवार को छोटी दिवाली पर बाजारों में जमकर भीड़ उमड़ी। हालांकि इस दौरान बाजारों में कई लोगों ने धनतेरस की खरीदारी भी की। मुख्य बाजार में आतिशबाजी, खील बताशे की दुकानों में भीड़ लगी रही। वहीं मिठाइयों की दुकानों में भी लंबी लाइनें लगी रहीं। दिवाली पर बाजारों में झाड़ू के अलावा गणेश और लक्ष्मी की मूर्ति की डिमांड भी रही। मूर्ति विक्रेता वरुण मिश्रा ने कहा कि गणेश और लक्ष्मी की मूर्तियां खरीदने में लोगों ने रुचि दिखाई।

संक्षिप्त समाचार

दीवाली की खुशियां गम में बदली, पोस्टमार्टम के बाद चारों शव स्वजनों को सौंपे

रुद्रपुर। नानकमत्ता क्षेत्र में पिकअप वाहन की टक्कर से हुई ट्रैक्टर–ट्राली सवार ठेकेदार व तीन मजदूरों के शवों का रविवार सुबह पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया और स्वजनों को सौंप दिए। इसके बाद स्वजन शव लेकर अपने घरों को चले गए। इस दौरान पोस्टमार्टम हाउस में गमगीन माहौल रहा। स्वजनों की आंखें नम थी , जबकि वहां मौजूद हर व्यक्ति घटना पर दुख जता रहा था। ग्राम सड़ासड़िया से ट्रैक्टर–ट्राली में सवार होकर दिवाली मनाने घर जा रहे संभल व अमरोहा जिले के ठेकेदार समेत सात मजदूर शनिवार सुबह नानकमत्ता थाना क्षेत्र में पिकअप वाहन की टक्कर से गंभीर घायल हो गए थे, जिसमें से उधनपुर हसनपुर जिला अमरोहा निवासी ठेकेदार अखिलेश पुत्र अंतराम, शीशपाल पुत्र महावीर सिंह, हसनगढ़ थाना एचोड़ा जिला संभल निवासी जयवीर पुत्र श्यामलाल व संभल जिले के हसनगढ़ निवासी गुरुमुख पुत्र राजेंद्र की मौत हो गई थी, जबकि जयवीर पुत्र धर्मवीर, प्रदीप व पुरुषोत्तम का अस्पताल में इलाज किया गया। पुलिस ने शवों को मोर्चरी में रखवाकर उनके स्वजनों को सूचना दे दी थी। इधर, धनतेरस के दिन हुई घटना को लेकर मृतकों के स्वजनों में कोहराम मच गया। देर शाम दो मृतकों के स्वजन खटीमा पहुंचे, जबकि शेष दो मृतकों के स्वजन रात में पहुंच सके। रविवार सुबह पुलिस ने चारों शवों का पोस्टमार्टम कराया और स्वजनों को सौंप दिया। प्रतापपुर पुलिस चौकी इंचार्ज राजेंद्र पंत ने बताया कि दोनों दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को कब्जे में ले लिया गया है। पीड़ित पक्ष की ओर से तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

थाना दिवस पर दन्या पुलिस ने सुनी जनसमस्याएं

अल्मोड़ा। थाना दन्या में रविवार को थाना दिवस का आयोजन किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र पींचा के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम में थाना क्षेत्र के सीएलजी सदस्य, वार्ड सदस्य, वरिष्ठ नागरिक, पुलिस पेंशनर और स्थानीय गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए। थानाध्यक्ष दन्या दिनेश नाथ महंत ने उपस्थित लोगों को दीपावली की शुभकामनाएं दीं और उनकी समस्याएं जानीं। नागरिकों द्वारा रखी गई शिकायतों और सुझावों पर मौके पर ही आवश्यक कार्रवाई की गई। उन्होंने कहा कि दीपावली पर्व के दौरान जनसुरक्षा और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए दन्या पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है। थाना दिवस के दौरान लोगों को साइबर अपराध और डिजिटल अरेस्ट के बारे में जागरूक किया गया। पुलिस ने बताया कि ऐसे अपराधों से बचाव के लिए सावधानी बरतें और इस जानकारी को अपने परिवार एवं आसपास के लोगों तक भी पहुँचाएं। इसके अलावा लोगों को बिना पुलिस सत्यापन के किरायेदार या मजदूर न रखने की सलाह दी गई।

मुख्यमंत्री धामी से भेंट कर दीपावली पर्व की शुभकामनाएं दीं

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से रविवार को मुख्यमंत्री आवास में मंत्रीगण, विधायकगण, भारतीय प्रशासनिक सेवा, पुलिस तथा वानिकी सेवाओं के अधिकारी गणों और प्रदेशभर से आए लोगों ने भेंट कर दीपावली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सभी आगंतुकों का अभिवादन करते हुए उन्हें तथा उनके परिवारजनों को दीपावली की मंगलकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दीपावली का पर्व अंधकार पर प्रकाश और असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक है। यह पर्व हमें समाज में प्रकाश, पवित्रता और सकारात्मक ऊर्जा फैलाने का संदेश देता है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि दीपावली का पर्व प्रदेशवासियों के जीवन में नई उम्मीद, समृद्धि और खुशहाली लेकर आएगी। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को

दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सभी लोग इस पर्व को स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और आपसी सद्भाव के साथ मनाएं। उन्होंने प्रदेश की सतत विकास यात्रा में सभी नागरिकों से सहयोग का आह्वान किया है।

भारतीय सर्व समाज महासंघ ने मनाई दीवाली

देहरादून। भारतीय सर्व समाज महासंघ की ओर से रविवार को इंदिरापुरम जीएमएस रोड पर दीवाली मिलन समारोह आयोजित किया गया। इसमें विभिन्न समुदाय के लोगों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उत्तराखंड के पूर्व दर्जा राज्य मंत्री और भारतीय सर्व समाज महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामकुमार वालिया ने कहा कि भारतीय सर्व समाज महासंघ आज भारत की लगभग सबसे बड़ी सामाजिक संस्था बन चुकी है।

जिसके पूरे देश में 5 लाख से भी अधिक सदस्य हैं। संस्था की ओर से देश के विभिन्न राज्यों में दीवाली मिलन समारोह आयोजित किया गया। वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष और दर्जा राज्य मंत्री शादाब शम्स ने कहा कि राम कुमार वालिया द्वारा सर्व समाज का दीवाली मिलन समारोह आयोजित कर यह संदेश दिया गया है की उत्तराखंड के लोग किसी एक जाति नहीं बल्कि सर्व समाज में विश्वास रखते हैं।

सीएम धामी ने पूर्व सीएम भुवन चंद्र खंडूरी से भेंट कर दीपावली की शुभकामनाएं दीं

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी आज पूर्व मुख्यमंत्री भुवन चंद्र खंडूरी के निवास पर पहुंचे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने खंडूरी को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाइयाँ दीं। मुख्यमंत्री ने खंडूरी के स्वास्थ्य का हाल–चाल जाना और उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की।

अशासकीय जूनियर और प्राथमिक स्कूलों के शिक्षक–कर्मचारी वेतन संकट में नहीं मना रहे दीवाली

देहरादून। राज्य सहायता प्राप्त जूनियर और प्राथमिक स्कूलों के शिक्षक–कर्मचारियों को दो महीने से वेतन नहीं मिला है। दीवाली पर बिना वेतन हजारों शिक्षक–कर्मचारियों की दीवाली के त्योहार पर भी असर पड़ा है। उत्तराखण्ड माध्यमिक शिक्षक संघ ने वेतन नहीं मिलने पर गहरी नाराजगी जताई है।

सरकार ने कुछ दिन पहले ही अशासकीय माध्यमिक स्कूलों के लिए करीब तीन अरब रुपये का बजट जारी किया। लेकिन राज्य सहायता प्राप्त जूनियर और प्राइमरी स्कूलों में दो महीने से वेतन नहीं आया है। इन स्कूलों के वेतन भत्तों के लिए 80 करोड़ रुपये की दरकरार है। मामला शासन स्तर पर लटका हुआ है। रविवार को उत्तराखंड माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय महामंत्री डॉ. महावीर सिंह बिष्ट की अध्यक्षता में ऑनलाइन बैठक में वेतन नहीं मिलने पर आक्रोश व्यक्त किया गया। वक्ताओं ने कहा कि शासन और वित्तीय प्रशासन की नकारात्मक रवैये के कारण शिक्षक–कर्मचारी आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं। दीपावली जैसे त्यौहार पर भी वेतन नहीं मिलने से हजारों परिवार निराशा में हैं। प्रान्तीय महामन्त्री डॉ. महावीर सिंह विष्ट ने कहा कि अगर शीघ्र वेतन संकट दूर नहीं हुआ तो संगठन व्यापक आंदोलनात्मक करने के लिए बाध्य होगा। प्रान्तीय अध्यक्ष स्वतन्त्र मिश्रा ने कहा कि राज्य सहायता प्राप्त विद्यालयों के वेतन की स्थाई व्यवस्था होनी चाहिए।

दीपावली नजदीक आते ही चढ़ने लगा एक्यूआई, सप्ताहभर तक प्रदेश में शुष्क रहेगा मौसम

देहरादून। दून का एक्यूआई 12 अक्तूबर को 49 दर्ज किया गया। शनिवार को यह 58 तक पहुंच गया। बीते साल 18 अक्तूबर को दून का एक्यूआई 145 दर्ज किया गया था। भले इस साल सामान्य से अधिक हुई बारिश से प्रदेशभर में आई आपदा से मुश्किलें बढ़ी हों लेकिन इससे शहरभर की हवा साफ हुई है। वहीं, दीपावली नजदीक आते ही अब एक्यूआई का आंकड़ा भी बढ़ने लगा है। विशेषज्ञों का कहना है चटक धूप खिलने से हवा में मौजूद धूल के कण प्रदूषण का रूप लेते हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो बीती 12 अक्तूबर को दून का एक्यूआई 49 दर्ज किया गया। जबकि शनिवार को यह 58 तक पहुंच गया। हालांकि विशेषज्ञों के अनुसार हवा का यह मानक साफ है। जबकि बीते साल 18 अक्तूबर को दून का एक्यूआई 145 दर्ज किया गया था। वहीं, इस अक्तूबर में अभी तक बीते साल की तुलना में अधिक सुधार देखने को मिला है। उधर मौसम की बात करें तो सप्ताहभर तक प्रदेश में मौसम शुष्क रहेगा। चटक धूप खिलने से जहां पहाड़ों में ठंड से राहत मिलेगी वहीं, मैदानी इलाकों में दिन के समय गर्मी परेशान करेगी।

दिल्ली–यमुनोत्री हाईवे पर रसूलपुर में एक घंटे तक लगा जाम

देहरादून। दिल्ली–यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर रविवार दोपहर रसूलपुर क्षेत्र में भीषण जाम लगने से लोगों को परेशानी झेलनी पड़ी। यह जाम वहां लगा, जहां कई बड़े शॉपिंग मॉल स्थित हैं। इन मॉल में आने वाले ग्राहकों के वाहन अक्सर राष्ट्रीय राजमार्ग के दोनों किनारों पर खड़े रहते हैं, जिससे यातायात बाधित होता है। साथ ही, यह क्षेत्र एक प्रमुख चौक होने के कारण राहगीरों की आवाजाही भी लगातार बनी रहती है। राष्ट्रीय राजमार्ग पर दिन भर भारी यातायात दबाव रहने के कारण यहां जाम की स्थिति आम हो गई है। रविवार को करीब एक घंटे तक चले इस जाम ने आने जाने वालों की राह तक रोक दी। एक घंटे तक जाम लगा रहने के बावजूद पुलिस मौके से नदारद रही। वाहनो में फंसे लोग व स्थानीय व्यापारी परेशान नजर आए।

वाहन चालकों ने खुद ही जाम को कम करने की कोशिश की, लेकिन भीषण जाम होने के कारण कि कोई रास्ता नहीं बन पाया। त्यौहार व रविवार का साप्ताहिक अवकाश होने के कारण देहरादून समेत अन्य क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग चकराता की ओर घूमने जाते हैं। साथ ही, आस–पास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी लोग खरीदारी के लिए विकासनगर बाजार पहुंचते हैं। इससे राजमार्ग पर यातायात सामान्य दिनों की अपेक्षा बढ़ जाता है। जब पुलिस की ओर से कोई सहायता नहीं मिली, तो स्थानीय व्यापारियों व राहगीरों ने स्वयं मोर्चा संभालते हुए जाम खुलवाने का प्रयास किया। शहर कोतवाल विनोद गुसाई ने बताया कि प्रमुख चौक–चौराहों पर यातायात सुचारु रखने के लिए पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है, सड़क किनारे बेतरतीब खड़े वाहनो का चालान किया जाएगा।

मुख्यमंत्री धामी हुए भाजपा प्रदेश कार्यालय देहरादून में आयोजित दीपावली मिलन समारोह में शामिल

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी आज देहरादून स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित दीपावली मिलन समारोह में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया तथा दीपावली पर्व पर आयोजित पूजा–अर्चना में भी भाग लिया। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट, नरेश बंसल, विधायक सुरेश गढ़िया, खजान दास सहित अनेक विधायकगण, प्रदेश पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं संगठन के विभिन्न पदाधिकारी उपस्थित रहे। दीपावली के इस शुभ अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि यह पर्व प्रकाश, सद्भाव, समृद्धि और सकारात्मकता का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि दीपावली का यह पर्व देश के आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए भी विशेष महत्व रखता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा नेक्स्ट जेनरेशन जीएसटी लागू की गई है, जिससे देशभर में व्यापारिक वातावरण और अधिक सरल हुआ है। उन्होंने कहा कि जीएसटी की दरों में कमी आने से यह दीपावली ह्महा बचत उत्सवह्न के रूप में मनाई जा रही है, जिससे व्यापारियों के साथ–साथ उपभोक्ताओं को भी बड़ा लाभ हुआ है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों से स्वदेशी अपनाने और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का आह्वान किया है। आज भारत मात्र एक बड़ा बाजार नहीं रह गया है, बल्कि एक उभरती हुई वैश्विक आर्थिक शक्ति के रूप में स्थापित हो रहा है। उन्होंने कहा कि हाल ही में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ने भी कहा है कि वर्ष 2028 तक भारत विश्व की सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनने की दिशा में अग्रसर है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें स्वदेशी उत्पादों को अपनाकर प्रधानमंत्री के ह्वोकल फॉर लोकलह्व के संकल्प को आगे बढ़ाना चाहिए।

त्योहारी सीजन में नशे में वाहन चलाने वालों पर पुलिस की सख्ती

अल्मोड़ा। त्योहारी सीजन को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र पींचा ने जनपद पुलिस को नशे में वाहन चलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। निर्देशों के अनुपालन में अपर पुलिस अधीक्षक हरबन्स सिंह और क्षेत्राधिकारी गोपाल दत्त जोशी के पर्यवेक्षण में कोतवाली प्रभारी निरीक्षक योगेश चंद्र उपाध्याय के नेतृत्व में चौकी धारानौला प्रभारी आनंद बल्लभ कश्मीरा द्वारा देर रात क्षेत्र में सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान फलसीमा निवासी विजय बिष्ट को नशे की हालत में आल्टो कार संख्या यूके 01 टीए 3379 चलाते हुए पकड़ा गया। उसे तत्काल गिरफ्तार कर मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। उसका वाहन सीज करते हुए 19 हजार रुपये का कोर्ट चालान किया गया। इसी तरह मकेड़ी धारानौला निवासी मुकेश को बिना नंबर की बुलेट चलाते हुए शराब के नशे में पकड़ा गया। उसे भी गिरफ्तार कर उसका वाहन सीज किया गया और 18 हजार रुपये का कोर्ट चालान किया गया। एसएसपी ने कहा कि दीपावली और अन्य त्योहारों के दौरान सड़क सुरक्षा के लिए ऐसे चेकिंग अभियान लगातार जारी रहेंगे। नशे की हालत में वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

दिवाली पर घर लौटने वालों से खचाखच भरी गई बसें

रुद्रपुर। दिवाली पर्व को लेकर रविवार को जिले के रोडवेज बस अड्डों पर यात्रियों की भारी भीड़ देखने को मिली। कामकाजी लोग छुट्टी लेकर अपने घरों को लौटने के लिए सुबह से ही बस अड्डे पहुंचने लगे। यात्रियों की संख्या सामान्य दिनों के मुकाबले कई गुना अधिक रही।

सुबह पांच बजे से ही रुद्रपुर डिपो से पीलीभीत, टनकपुर, बरेली, दिल्ली, हरिद्वार और देहरादून रूटों के लिए बसों का संचालन शुरू हो गया था। बढ़ती भीड़ को देखते हुए हरिद्वार जाने वाली सात बसों को भी अस्थायी रूप से पीलीभीत और बरेली रूट पर भेजा गया। इसके अलावा दिल्ली जाने वाली चार सीएनजी बसों को टनकपुर व पीलीभीत भेजा गया। हल्द्वानी से आने–जाने वाली बसें अपने निर्धारित समय पर रवाना होती रहीं। भीड़ को संभालने और यात्रियों को समय से गंतव्य तक पहुंचाने के लिए एआरएम श्रीराम कौशन और वरिष्ठ स्टेशन इंचार्ज ब्रह्मानंद सुबह से ही ड्यूटी में जुटे रहे। उन्होंने बताया रुद्रपुर डिपो से रविवार को कुल 93 बसें संचालित की गईं, जिनमें 54 अनुबंधित और 39 निगम की बसें थीं।

यह बसें टनकपुर, बरेली, दिल्ली, हरिद्वार, देहरादून सहित अन्य रूटों पर भेजी गईं। हालांकि, यात्रियों की भीड़ इतनी अधिक थी कि अतिरिक्त बसों की व्यवस्था के बावजूद सभी को सीट नहीं मिल सकी। कई यात्रियों को खड़े होकर सफर करना पड़ा। कुछ लोगों को बसों में जगह न मिलने के कारण अगली गाड़ियों का इंतजार करना पड़ा।

13 दिनों से लापता उत्तराखंड का प्रदीप, नहीं लगा सुराग

पिथौरागढ। टनकपुर–तवाघाट हाईवे में जौलजीबी से धारचूला के मध्य किमखोला –ढुंगातोली के पास खाई में गिरे वाहन में सवार चालक का अभी तक पता नही चल सका है। पुलिस की विफलता देखते हुए अब मुख्यमंत्री से एसआईटी जांच की मांग की जा रही है।

गत 5 अक्टूबर को पातों गाव निवासी प्रदीप सिंह दरियाल अपने स्कार्पियो वाहन से धारचूला को जा रहा था। देर रात्रि वाहन किमखोला ओर ढुंगातोली के बीच मोड़ पर गहरी खाई में गिर गया। रात को हुई इस दुर्घटना की किसी को भनक तक नही लगी। दूसरे दिन उसके स्वजनों ने प्रदीप का फोन नही लगने और उसके नही पहुंचने की सूचना बलुवाकोट थाना पुलिस को दी।

बलुवाकोट और जौलजीबी पुलिस जांच में जुटी। काफी देर खोजबीन के बाद वाहन खाई में मिला। प्रदीप का कोई पता नही चला। वाहन काली नदी से लगभग 20–25 मीटर ऊपर मिला था जिससे यही अनुमान लगाया गया कि प्रदीप के काली नदी तक गिरने की संभावना काफी कम है।

अल्मोड़ा पुलिस ने गुमशुदा युवक को मथुरा से किया सकुशल बरामद

अल्मोड़ा। कोतवाली अल्मोड़ा पुलिस टीम ने सराहनीय कार्य करते हुए धारानौला क्षेत्र के एक गुमशुदा युवक को मथुरा (उत्तर प्रदेश) से सकुशल बरामद किया है। जानकारी के अनुसार, बीती 16 अक्तूबर को धारानौला क्षेत्र निवासी एक महिला ने अपने 20 वर्षीय पुत्र के घर से बिना बताए कहीं चले जाने की सूचना कोतवाली अल्मोड़ा में दी थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रभारी निरीक्षक योगेश चंद्र उपाध्याय के नेतृत्व में धारानौला चौकी प्रभारी आनंद बल्लभ कश्मीरा और पुलिस टीम ने युवक की तलाश शुरू की। लगातार सुरागरसी और पतारसी के बाद पुलिस टीम ने युवक को मथुरा–वृंदावन से सकुशल बरामद कर लिया। पुलिस ने युवक और परिजनों की आवश्यक काउंसलिंग करने के बाद युवक को सुरक्षित रूप से परिवार के सुपुर्द कर दिया। दीपावली से पहले बेटे की सकुशल वापसी से परेशान मां के चेहरे पर मुस्कान लौट आई। परिजनों ने त्वरित कार्रवाई के लिए अल्मोड़ा पुलिस टीम का आभार व्यक्त किया।
पुलिस टीम में चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक आनंद बल्लभ कश्मीरा और कांस्टेबल राजीव जोशी शामिल रहे।

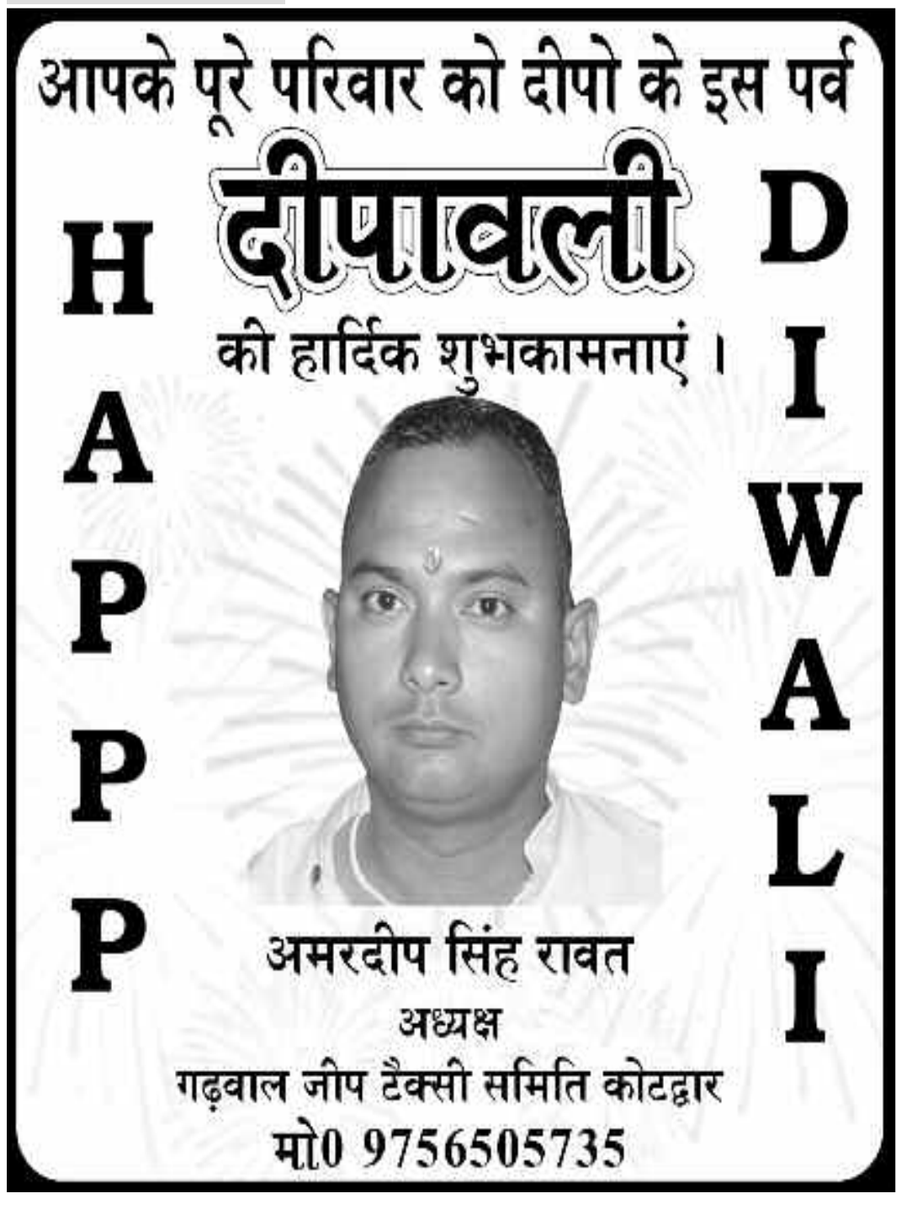

जयन्त
संस्थापक
नरेन्द्र उनियाल
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक और
सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
द्वारा जयन्त प्रकाशन डिग्री कॉलेज रोड़, जौनपुर कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा जयन्त कार्यालय चन्द्रसिंह गढ़वाली मार्ग, गैरसैंण, जनपद चमोली उत्तराखण्ड से प्रकाशित
RNI No.UTTHIN/2005/16338